तापमान
अधिकतम 41.0 डिग्री
न्यूनतम 23.5 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 25 मई 2025

11 बाबा मस्तनाथ विवि में छात्राओं को स्वच्छता और ...

12 डीसी की अधिकारियों को दो टूक, 15 तक ड्रेनों ...

MATRIX CLASSES
... Run by IITian
IIT-JEE (MAIN & ADVANCE)
MEDICAL NEET (UG)
FOUNDATION (HTSE, KVPY & OLYMPIAD)
ONLY 30 SEATS FOR EACH CLASSES
REGULAR ADMISSION OPEN FOR: VII TO XII
FREE TUITION CLASSES FOR STUDENTS OF OUR INSTITUTE AT EVENING TIME
SCHOOLING & COMPETITIVE COACHING AT ONE PLACE
Director:- Mr. Muneem Bhar (IIT MADRAS, AIR - 163)
Opp. Chhotu Ram Stadium, Basant Vihar, Gali No.3, Sonepat Road, Rohtak | M. : 92533-22220, 9813840432

खबर संक्षेप

नौकरी के नाम पर 13 लाख की ठगी, आरोपी धरा

रोहतक। पुलिस ने नौकरी लगवाने के नाम पर हुई 13 लाख रुपये की ठगी की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। कलानौर थाना प्रभारी सतपाल सिंह ने बताया कि गांव काहनौर निवासी सुरेश की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरु की गई।

ई रिक्शा चालक का मिला शव

सांपला। बेरी मार्ग नगर पालिका कार्यालय के पास सुबह एक ई रिक्शा चालक शव मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई रोहतक भेज दिया।

कैंसर के मरीज ने कमरे से लगाई छलांग, घायल

रोहतक। पीजीआई में शनिवार को कैंसर के एक मरीज ने अपने कमरे से छलांग लगा दी। मरीज को गले का कैंसर है, जिसका 3 बार ऑपरेशन हो चुका है। इस दौरान मरीज गंभीर रुप से घायल हो गया और ऑपरेशन के टांके भी खुल गए। वह मानसिक रुप से परेशान चल रहा है।

गर्मी का प्रकोप: बिजली निगम के छूटे पसीने, डिमांड 40 से बढ़कर 70 लाख यूनिट प्रतिदिन तक पहुंची

- बिजली की डिमांड बढ़ने से कई-कई घंटे लग रहे कट

नीरज वर्मा ▶▶| रोहतक

मई में गर्मी बढ़ने के साथ ही जिले में बिजली की मांग भी बढ़ गई है। अप्रैल के मुकाबले मई में बिजली आपूर्ति की डिमांड दो गुना बढ़ गई है। इसको पूरा करने में बिजली निगम के पसीने छूट रहे हैं और गांवों के साथ शहरों में भी बिजली आपूर्ति में अघोषित कट लगाए जाने रहे हैं। शहर में सुबह पांच छह बजे ही कट लगने शुरू हो जाते हैं। कई बार तो बिजली न आने पर इन्वर्टर तक ठप हो जाते हैं। इतना ही नहीं, रात के समय तो हालात और भी ज्यादा भयंकर हो चुके हैं। रात के समय बिजली निगम को मजबूरन कम वोल्टेज में बिजली मुहैया करवानी पड़ रही है। ऐसे में अगर जल्द ही अच्छी और नियमित बरसात न हुई तो आने वाले दिन बिजली आपूर्ति के लिहाज से और भी परेशानी भरे हो सकते हैं। रोहतक में प्रतिदिन अप्रैल में 35 से 40 लाख बिजली यूनिट की डिमांड थी जो मई में बढ़कर 40 से 70 लाख यूनिट प्रतिदिन पर जा पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। इसकी पुष्टि खुद बिजली निगम के कार्यकारी अभियंता कर रहे हैं कि भयंकर गर्मी के कारण बिजली की डिमांड एक दम से काफी बढ़ गई है जिसके चलते बिजली आपूर्ति में परेशानी आ रही है।

मई में दो गुना डिमांड

बिजली निगम के आंकड़ों की मानें तो अप्रैल के मुकाबले मई में बिजली की डिमांड दो गुणा से अधिक बढ़ चुकी है। इसी साल अप्रैल में जहां बिजली की कुल 35 से 40 लाख यूनिट थी। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ी वैसे वैसे बिजली की डिमांड भी बढ़ती चली गई। मई माह में बिजली की डिमांड बढ़कर 40 से 70 लाख यूनिट प्रतिदिन बढ़ने की संभावना है। डिमांड लगातार बढ़ती ही जा रही है। इस स्थिति में भी बिजली निगम के अधिकारियों की चिंता बढ़ रही है कि अगर बारिश नहीं हुई तो जून-जुलाई में बिजली की खपत बढ़कर 70 से 80 लाख यूनिट से अधिक गई तो इतनी बिजली का इंतजाम करना बिजली निगम के अधिकारियों के लिए मुश्किल भरा हो सकता है।

बिजली निगम को अब बारिश से आस

बिजली की डिमांड के मुताबिक बिजली सप्लाई करने में बिजली निगम को अभी से पसीने आ रहे हैं। अब बिजली निगम को या तो बारिश आने की दुआ करनी होगी अन्यथा उसे तुरंत बिजली सप्लाई बढ़ाने के प्रयास शुरू करने होंगे। अगर कहीं जून-जुलाई में इंद्र देवता जिले से रूठे रहे तो उमस भरे मौसम के चलते बिजली की डिमांड काफी बढ़ जाएगी। दरअसल उमस भरा मौसम शुरू होते ही जिले भर में एसी, कूलर आदि चलाने का समय और क्षमता लगातार बढ़ जाती है जिसका सीधा असर बिजली निगम के पुराने इंफ्रास्ट्रक्चर पर पड़ता है। पुरानी केबल और ट्रांसफार्मर अत्यधिक लोड सह नहीं पाते और बार-बार ट्रिपिंग का संकट झेलना पड़ता है।

आज यहां रहेगी बिजली बाधित

- सुबह 9:30 से 1 बजे तक
  दिल्ली गेट फीडर, किला रोड मंदिर वाली गली, प्रताप मोहल्ला, किला मोहल्ला, बड़ा बाजार
- 10 से 2 बजे तक
  मेडिकल मोड़, आदर्श नगर, दरियाव नगर, डी पार्क, दिल्ली रोड
- सुबह 10 से 3 बजे तक
  फ्रेंड्स कॉलोनी, माजरा गांव, अस्थल बोहर

चार साल में अप्रैल से मई तक बिजली की आपूर्ति

वर्ष 2020	
माह	प्रतिदिन की यूनिट
अप्रैल	32 से 43 लाख
मई	37 से 48 लाख
वर्ष 2021	
माह	प्रतिदिन की यूनिट
अप्रैल	38 से 45 लाख
मई	40 से 54 लाख
वर्ष 2022	
माह	प्रतिदिन की यूनिट
अप्रैल	36 से 46 लाख
मई	38 से 51 लाख
वर्ष 2023	
माह	प्रतिदिन की यूनिट
अप्रैल	36 से 47 लाख
मई	38 से 56 लाख
वर्ष 2024	
माह	प्रतिदिन की यूनिट
अप्रैल	40 से 55 लाख
मई	40 से 70 लाख

मई-जून में तापमान बढ़ने से ट्रांसफार्मर हो जाते हैं हीट

मई-जून में तापमान बढ़ने से ट्रांसफार्मर हीट ले जाते हैं। इसके अलावा बिजली की डिमांड बढ़ती है, तो ओवरलोड हो जाता है। ओवरलोड होने से बिजली कटौती का मैसेज आता है। मजबूरन उन्हें बिजली बंद करनी पड़ती है। आगे डिमांड और बढ़ने की संभावना है। उपभोक्ता अगर बिजली की खपत में कमी लेकर आएं तो इससे स्थिति संभाली जा सकती है। **-बिजेंद्र नरवाल**, एसई, बिजली निगम, रोहतक

लोड के कारण होती है ट्रिपिंग समस्या

बार-बार ट्रिपिंग होने पर ट्रांसफार्मर उड़ने की घटनाएं लगातार होती हैं। जून-जुलाई में खासतौर पर रात के समय जब घरों में एसी चलने शुरू होते हैं तो लोड के चलते ट्रांसफार्मर उड़ने की कई घटनाएं होती हैं। ऐसी स्थिति में बिजली निगम के पास मैन पावर समस्या को और बढ़ाने का काम करती है। मौजूदा समय में रात के समय बिजली की समस्याओं को ठीक करने के लिए विभाग के पास एक-दो ही कर्मचारी हैं। बिजली निगम के कार्यालय में मौजूद शिकायत नंबर लगातार बजता रहता है, लेकिन कर्मचारियों की कमी के चलते लोगों की समस्या का तुरंत निपटान नहीं हो पाता।

देर रात आंधी व बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त, कई क्षेत्रों में बिजली गुल

- बिजली के तार टूटने से बिजली बाधित हो गई
- लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा
- मौसम विभाग ने रोहतक के लिए येलो अलर्ट जारी किया था

■60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली तेज हवाओं ने मचाई तबाही
■आंधी के कारण फ्लेक्स और बोर्ड उखड़े, पेड़ की शाखाएं टूटी, यातायात प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक में दिनभर पड़ी भीषण गर्मी के बाद शनिवार शाम को अचानक मौसम में बदलाव देखने को मिला। देर रात तेज आंधी और बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। बिजली गुल होने से कई क्षेत्र अंधेरे में डूब गए। महम और कलानौर में भी तेज आंधी चली और हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना कि जिले में 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। तूफान को देखते हुए बिजली निगम ने पूरे क्षेत्र की बिजली काट दी। इस दौरान फ्लेक्स, बोर्ड भी आंधी में उखड़ गए। कई जगह पेड़ भी टूट गए। हालांकि समाचार लिखे जाने तक जानमाल की हानि की कोई सूचना नहीं थी। कई जगह पेड़ की शाखाएं टूट गई और बिजली के तार भी टूटकर गिर गए। इसके कारण बिजली बाधित हो गई। लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

मौसम विभाग ने पहले ही किया था अलर्ट

मौसम विभाग ने पहले ही अलर्ट जारी किया था कि हरियाणा में कई जगह बरसात के साथ तेज आंधी तूफान आ सकता है, इसकी वजह से जान माल की बड़ी हानि हो सकती है। रोहतक में करीब 11:30 बजे तेज हवाएं चलने लगी। इस दौरान धूल उड़ने की वजह से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। तूफान को देखते हुए बिजली निगम ने भी बिजली काट दी। कई जगह पेड़ों की शाखाएं गिरने और फ्लेक्स बोर्ड आदि गिरने की सूचनाएं हैं। हालांकि कहीं जान माल की हानि नहीं हुई। मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए अलर्ट के मुताबिक हरियाणा में कई जगह तूफान और बारिश की संभावनाएं जताई गई थी जिसके बाद रोहतक में भी देर रात तूफान आया और कई जगह हल्की बूंदाबांदी भी हुई। मौसम विभाग ने रोहतक को येलो अलर्ट में रखा था। वही बारिश होने की वजह से लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली।

बिजली विभाग ने भी अलर्ट जारी किया

आंधी और बरसात को देखते हुए बिजली निगम ने भी अलर्ट जारी किया है। निगम का कहना है कि आंधी के कारण कई जगह बिजली की तारें टूट गई हैं, पेड़ की शाखाएं तारों पर गिर गई हैं। खतरे को देखते हुए बिजली काटी गई है, जैसे ही मौसम सामान्य होगा। बिजली भी सामान्य कर दी जाएगी, तब तक लोग संयम बरतें।

कार्रवाई नगर निगम ने चलाया विशेष अभियान

सिंगल यूज प्लास्टिक बेचने वालों के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि नगर निगम सफाई कार्य के प्रति काफी गंभीर है और अधिका सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है। निगम की टीमों द्वारा शहर में विभिन्न स्थानों पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। टीम द्वारा पुरानी आईटीआई पुल से झज्जर चुंगी, झज्जर चुंगी से रुपया चौक, सोनीपत रोड, सुभाष रोड, बस स्टैंड से शीला बाईपास चौक, पुराना बस स्टैंड से छोटूराम चौक, आईडीसी चौक से बांगड़ पुल, झज्जर चुंगी से सुनारियां चुंगी, हुडा कॉम्प्लेक्स आदि स्थानों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। आयुक्त ने बताया कि नगर निगम द्वारा की टीमों द्वारा निरंतर शहर में निरीक्षण किया जा रहा है तथा प्रतिदिन गंदगी फैलाने वालों व सिंगल यूज प्लास्टिक बेचने वालों के चालान किए जा रहे हैं। टीम द्वारा गदंगी फैलाने वालो व सिंगल यूज प्लास्टि बेचने वालो के शुक्रवार को 7 चालान 51 सौ रुपये के किए। टीम द्वारा बाजारों में निरीक्षण किया गया। इस दौरान सिंगल यूज, प्रतिबंद्धित प्लास्टिक बेचने वालों के 6 चालान 10000 रुपये के किए गए। नगर निगम की टीमें को निर्देश दिए जा चुके है कि शहर में निरीक्षण करें तथा कूड़ा इधर-उधर फैंकने अथवा गंदगी फैलाते वालों के चालान किए जाए। आयुक्त ने बताया कि जल्द ही बड़े स्तर पर दुकानों पर चेकिंग के लिए अभियान छेड़ा जाएगा।

रोहतक। दुकान का चालान काटते नगर निगम की टीम। फोटो : हरिभूमि

डिफेंस म्यूचुअल फंड ने तीन महीने में दिया 54% तक का रिटर्न

- ऑपरेशन सिंदूर के चलते निवेशकों की बन रहे पहली पसंद
- भारत का डिफेंस सेक्टर अब पहला फोकस बनता जा रहा
- डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खूब तेजी, म्यूचुअल फंड भी कर रहे बेहतरीन प्रदर्शन
- म्यूचुअल फंड ने 1 महीने में 27% तक रिटर्न दिए

बिजनेस डेस्क

'ऑपरेशन सिंदूर' ने एक बार फिर दुनियाभर को भारत के डिफेंस सेक्टर की ताकत दिखा दी है। भारतीय मिसाइलों ने जिस तरह से पाकिस्तान में दहशत पैदा की है, उससे ब्रम्होस जैसे देश में बनने वाले हथियारों की ताकत को दिखाया है। इसका नतीजा यह है कि भारत का डिफेंस सेक्टर अब निवेशकों का पहला फोकस बन गया है। डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खूब तेजी है, तो डिफेंस म्यूचुअल फंड का प्रदर्शन भी बेहतरीन दिख रहा है। इन फंड्स का औसत रिटर्न, ब्रॉडर इक्विटी मार्केट से काफी बेहतर है, वहीं शॉर्ट टर्म में दूसरे अन्य सेक्टोरल फंड के मुकाबले भी ज्यादा है।

म्यूचुअल फंड्स में जोरदार तेजी

भारतीय डिफेंस सेक्टर पर केंद्रित म्यूचुअल फंड्स में जोरदार तेजी देखी जा रही है। इस सेक्टर पर आधारित म्यूचुअल फंड ने जहां 1 महीने में 27 फीसदी, 3 महीने में 54 फीसदी तक रिटर्न दिए हैं, वहीं इनमें 6 महीने का रिटर्न 38 फीसदी तक हो गया है। खास बात है कि इनमें से ज्यादातर म्यूचुअल फंड 1 साल के अंदर लॉन्च किए गए हैं, जिससे यह बात साफ होती है कि इस सेक्टर की ओर म्यूचुअल फंड भी आकर्षित हो रहे हैं, वहीं हाल की घटनाओं के बाद निवेशक की पहली पसंद बन गया है।

3 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 53.82%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 53.19%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 53.12%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 52.92%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 52.82%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 38.44%

6 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 37.94%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 37.82%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 37.78%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 37.46%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 37.15%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 16.86%

1 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 27.09%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 26%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 26%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 26%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 26%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 18%

डिफेंस स्टॉक्स में रैली जारी

डिफेंस सेक्टर में निवेशकों का भरोसा और इंटरेस्ट तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्टॉक्स और इंडेक्स दोनों में मजबूत प्रदर्शन हो रहा है। इस सेक्टर में जारी तेजी ने लिस्टेड डिफेंस कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन को बड़ा बूस्ट दिया है। 18 लिस्टेड कंपनियों का कंबाइंड मार्केट कैप अब 11.23 लाख करोड़ रुपये पर है। यह फरवरी के लो लेवल 6.95 लाख करोड़ रुपये से करीब 50 फीसदी ग्रोथ है। मार्च में निफ्टी डिफेंस इंडेक्स में करीब 25 फीसदी, अप्रैल में 11.50 फीसदी और मई में अब तक करीब 9 फीसदी की मजबूती आई है. मझगांव डॉक, कोचिन शिपयार्ड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पारस डिफेंस, गार्डेन रिच शिपबिल्डर्स, एमटीएआर टेक, डाटा पैटर्न, मिश्रा धातु निगम, जेन टेक और स्पेस टेक्नोलॉजीज जैसे स्टॉक का प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के फायदे

- **स्थिर मांग :** डिफेंस सेक्टर में मांग स्थिर रहती है, क्योंकि सरकारें हमेशा अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत बनाने के लिए निवेश करती रहती हैं।
- **लंबी अवधि का निवेश :** डिफेंस सेक्टर में निवेश लंबी अवधि के लिए उपयुक्त हो सकता है, क्योंकि इसमें अक्सर बड़े पैमाने पर परियोजनाएं और अनुबंध शामिल होते हैं।
- **सरकारी समर्थन :** डिफेंस सेक्टर में सरकारी समर्थन अक्सर अधिक होता है, जो निवेशकों के लिए एक सुरक्षित विकल्प प्रदान कर सकता है।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के नुकसान

- **नियामक जोखिम :** डिफेंस सेक्टर में नियामक जोखिम अधिक हो सकता है, क्योंकि सरकारें अक्सर नीतियों और नियमों में बदलाव करती रहती हैं।
- **जोखिम और अनिश्चितता :** डिफेंस सेक्टर में जोखिम और अनिश्चितता अधिक हो सकती है, खासकर जब नए उत्पादों या प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की बात आती है।
- **प्रतिस्पर्धा :** डिफेंस सेक्टर में प्रतिस्पर्धा अधिक हो सकती है, खासकर जब बड़ी कंपनियां शामिल होती हैं।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के विकल्प

- **डिफेंस स्टॉक्स:** डिफेंस स्टॉक्स में निवेश करना एक विकल्प हो सकता है, खासकर उन कंपनियों में जो डिफेंस सेक्टर में विशेषज्ञता रखती हैं।
- **डिफेंस म्यूचुअल फंड:** डिफेंस म्यूचुअल फंड में निवेश करना एक अन्य विकल्प हो सकता है, जो डिफेंस सेक्टर में विविध पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं।
- **प्राइवेट इक्विटी:** प्राइवेट इक्विटी फंड जो डिफेंस सेक्टर में निवेश करते हैं, एक अन्य विकल्प हो सकता है, जो उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना प्रदान करते हैं।
- **अंततः**, डिफेंस सेक्टर में निवेश करने से पहले अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

घूमने फिरने के शौकीन हैं तो शुरू कर लें ट्रैवल एसआईपी

- म्यूचुअल फंड से पूरा कर सकते हैं अपने ड्रीम वेकेशन का पूरा खर्च
- अपनी पसंदीदा जगह पर छुट्टी मनाने की योजना बनाने का पहला कदम
- हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर अपनी वित्तीय योजना बनाना जरूरी
- आपके घूमने फिरने पर आने वाला खर्च आपके लिए टेंशन नहीं बनेगा
- ट्रैवल के लिए एसआईपी बेहतरीन तरीका, यात्राओं के लिए जोड़ सकते हैं पैसे और कर सकते हैं घूमने का सपना पूरा, नहीं होगी कोई परेशानी

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी घूमने फिरने के शौकीन हैं या गर्मी की छुट्टियों में कहीं घूमने का प्लान कर रहे हैं तो ट्रैवल एसआईपी आपके लिए सबसे बेहतरीन प्लान हो सकता है। इससे आपको अपने घूमने फिरने की चिंता नहीं रहेगी। आसानी से अपना खर्च मैनेज कर सकेंगे। जैसे ही गर्मी की छुट्टियां शुरू होती हैं, लोगों में घूमने फिरने (ट्रैवल करने) का ट्रेंड बढ़ जाता है, चाहे देश के अंदर घूमना फिरना हो या विदेश जाकर छुट्टियां मनाना। घूमने-फिरने का शौक पूरी तरह से लौट आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 2024 के पहले छह महीनों में ही 1.5 करोड़ भारतीय विदेश यात्रा पर गए, जो पिछले साल के समान अवधि मुकाबले 14% ज्यादा है और इस दौरान उन्होंने घूमने फिरने पर कुल 2.83 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। लेकिन अपने सपनों की जगह पर छुट्टियां मनाने जाना सस्ता नहीं होता, सिर्फ पहाड़ों की अकेले ट्रिप का खर्च 1 लाख रुपये तक हो सकता है, जबकि यूरोप में 12 दिनों के लिए कपल टूर की शुरुआत 6 से 7 लाख रुपये (जिसमें हवाई टिकट भी शामिल है) से होती है। तो इसका उपाय क्या है?

समझदारी से करें प्लानिंग

यदि घूमने के लिए जाना है तो समझदारी से प्लानिंग करना, सही बजट बनाना और अपनी वित्तीय स्थिति को अपनी यात्रा की ख्वाहिशों (इच्छा) के साथ जोड़ना यानी सही कदम उठाकर आप बिना किसी आर्थिक तनाव के पूरी दुनिया घूम सकते हैं। जानकारों का कहना है कि अपनी पसंदीदा जगह पर छुट्टी मनाने की योजना बनाने का पहला कदम है हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर अपनी वित्तीय योजना बनाना, ताकि आपके घूमने फिरने पर आने वाला खर्च आपके लिए टेंशन न बने। आप यह काम कुछ चुनी हुई म्यूचुअल फंड स्कीम्स में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके धुमंतू स्टाइल को बिना किसी चिंता के चमका देंगी।

शॉर्ट-टर्म लक्ष्य के लिए लिक्विड फंड्स

अगर आपकी यात्रा की योजना अगले एक साल के अंदर की है, तो लिक्विड फंड के बारे में विचार करें। ये फंड आपके सेविंग्स अकाउंट से ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं, साथ ही इनमें से पैसा निकालना आसान (हाई लिक्विडिटी) होता है और जोखिम भी कम होता है। उदाहरण के लिए, अगर आप 1 लाख रुपये के बजट की मानसून रिट्रीट प्लान कर रहे हैं, तो लिक्विड फंड या आर्बिट्रेज फंड में निवेश करके आप अपना लक्ष्य हासिल कर सकते हैं और आपकी रकम आसानी से उपलब्ध रहेगी। जहां सेविंग्स अकाउंट में आपको सालाना सिर्फ 1.75% तक ब्याज मिल सकता है, वहीं लिक्विड फंड्स में कंपाउंडिंग के जरिए आप इसे बढ़ाकर 6% तक रिटर्न हासिल कर सकते हैं। अगर आप थोड़ा और समझदारी से निवेश करें और आर्बिट्रेज फंड में लगाएं, तो आप साल भर में 7.5% तक रिटर्न कमा सकते हैं।

ट्रैवल एसआईपी शुरू करें

ट्रैवल के लिए एसआईपी यह एक ऐसा बेहतरीन तरीका है, जिसमें आप अपनी यात्राओं के लिए पैसे बचा सकते हैं। चाहे आप देश के अंदर किसी छोटी जगह घूमने जा रहे हों या विदेश की लंबी यात्रा पर, एसआईपी आपको हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करने की सुविधा देता है। ये पैसे धीरे-धीरे बढ़ते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि जब आपको अपनी यात्रा के लिए पैसों की जरूरत होगी, तो फंड तैयार रहेगा। उदाहरण के तौर पर, अगर आप 3 साल बाद अपने पार्टनर के साथ पेरिस घूमने की योजना बना रहे हैं और आपका बजट 5 से 6 लाख रुपये है, तो सालाना 13% रिटर्न मानते हुए, आपको हर महीने लगभग 12,000 रुपये की एसआईपी शुरू करनी होगी या फिर, आप 1.5 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश करके अपनी मंथली एसआईपी को घटाकर करीब 7,500 रुपये कर सकते हैं।

लॉन्ग टर्म ट्रैवल प्लान के लिए इक्विटी फंड

क्या आप 5-10 साल में दुनिया घूमने या किसी शानदार क्रूज पर जाने की योजना बना रहे हैं? लॉन्ग टर्म ट्रैवल प्लान के लिए इक्विटी फंड सबसे बेहतर विकल्प हो सकते हैं, क्योंकि इनमें हाई रिटर्न मिलने की संभावना होती है। कंपाउंडिंग की ताकत से ये फंड आपको एक बड़ा फंड बनाने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आप हर महीने 10,000 रुपये किसी इक्विटी फंड में निवेश करते हैं और 12% सालाना रिटर्न की उम्मीद करते हैं, तो 10 सालों में आपके पास लगभग 20 लाख रुपये जमा हो सकते हैं, जो आपके ड्रीम वेकेशन के लिए काफी होंगे।

सीजनल यात्रियों के लिए खास टिप्स

सर्दियों की यात्राओं के लिए

जनवरी में एक एसआईपी शुरू करें जो अगले साल दिसंबर तक चले। 12 महीने की एसआईपी बैलेंस्ड या हाइब्रिड फंड में करें। यह आपके छुट्टी के खर्चों को पूरा करने में मदद करेगा। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जैसे हाइब्रिड फंड आमतौर पर आर्बिट्रेज फंड की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं।

गर्मियों की छुट्टियों के लिए

पीक सीजन के खर्च को अच्छे से मैनेज करने के लिए 18 महीने पहले से निवेश शुरू करें। इसके लिए मल्टी एसेट फंड जैसे हाइब्रिड फंड का उपयोग करें। अगर आप 3-5 साल की अवधि के लिए निवेश कर सकते हैं, तो आप प्योर इक्विटी फंड पर भी विचार कर सकते हैं, जिसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता होती है. ऐसे में लार्ज कैप फंड आपकी पहली पसंद होनी चाहिए।

(डिसक्लेमर : यह जानकारी एक्सपर्ट के हवाले से दी है। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए अपनी यात्रा के लक्ष्यों से मेल खाने वाली निवेश रणनीतियों के लिए किसी एम्फी रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर या म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर से सलाह लें।)

दस साल में 19 से 22% सालाना रिटर्न के साथ विनर बने ये 5 स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में 10 इक्विटी फंड्स का रिटर्न सबसे ज्यादा
- इनमें से 5 स्कीम स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स की
- इस दौरान निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना तक बढ़ा
- इन स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की रेटिंग भी मजबूत

बिजनेस डेस्क

बीते 1 दशक यानी 10 साल की बात करें तो इक्विटी म्यूचुअल फंड में स्मॉलकैप कैटेगरी क्लीयर विनर साबित हुई है। 10 साल में जिन 10 इक्विटी फंड्स का रिटर्न सबसे ज्यादा है, उनमें से 50 फीसदी यानी 5 स्कीम स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स की हैं। इन 5 स्कीम ने लम्प सम निवेश पर 10 साल में 19 से 22 फीसदी सालाना की दर से रिटर्न दिया है। इनमें निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना तक बढ़ गया, वह भी सिर्फ 10 साल में। वहीं, एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए किए गए निवेश पर 20 से 24 फीसदी सालाना रिटर्न मिला है। 10 साल की अवधि में रिटर्न देने में डॉमिनेट करने वाले इन स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की रेटिंग भी मजबूत है। इन सभी स्कीम को 3 स्टार से 5 स्टार रेटिंग मिली हुई है। इनमें एसबीआई म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड और एक्सिस म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप स्कीम शामिल हैं। हम इस रिपोर्ट में 1 से नंबर 5 रही स्कीम की जानकारी देंगे।

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 30,880 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.78% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.15% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 5,76,687 रुपये (5.77 लाख)
- कुल फायदा : 4,76,687 रुपये (4.77 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.80%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 42,53,472 रुपये

एक्सिस स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 23,318 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.56% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.68% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,02,859 रुपये (6.03 लाख)
- कुल फायदा : 5,02,859 रुपये (5.03 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.68%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 44,77,632 रुपये

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 31,790 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.72% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.90% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,14,033 रुपये (6.14 लाख)
- कुल फायदा : 5,14,033 रुपये (5.14 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.52%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 41,84,206 रुपये

क्वांट स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 5 स्टार
- एसेट्स : 26,222 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.68% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 20.29% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,34,301 रुपये (6.34 लाख)
- कुल फायदा : 5,34,301 रुपये (5.34 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 24.98%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 54,33,614 रुपये

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 4 स्टार
- एसेट्स : 58,029 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.68% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 22.27% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 7,46,791 रुपये (7.47 लाख)
- कुल फायदा : 6,46,791 रुपये (6.47 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 23.96%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 51,18,853 रुपये

इक्विटी में घट रहा निवेश तो डेट और हाइब्रिड फंड्स में बढ़ रहा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में इन दिनों मंदड़ियों का ही राज है। इस वजह से म्यूचुअल फंड के निवेशकों ने भी पहले की तरह से खुले हाथ से पैसा लगाना कम कर दिया है। तभी तो बीते महीने यानी अप्रैल 2025 के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश थोड़ा कम हुआ है। बीते अप्रैल में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 24,269 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि एक महीने पहले यानी मार्च 2025 यह आंकड़ा 25,082 करोड़ रुपये का था।एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल अप्रैल महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च के मुकाबले लगभग 3% की गिरावट आई है। लोग अब इक्विटी फंड से ज्यादा, डेट म्यूचुअल फंड में पैसा लगा रहे हैं। बीते महीने डेट म्यूचुअल फंड में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है। जबकि इस साल मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। अप्रैल में इसमें यह एक बड़ा बदलाव आया है।

ईएलएसएस का जलवा खत्म!

आप जानते ही होंगे कि इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कई तरह की कैटेगरी होती हैं। इनमें से 11 कैटेगरी में से ईएलएसएस फंड्स को छोड़कर बाकी सभी में अप्रैल महीने के दौरान उल्लेखनीय निवेश आया। फ्लेक्सी-कैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बने रहे। इनमें सबसे ज्यादा, 5,541 करोड़ रुपये का निवेश आया। हालांकि, ये मार्च के 5,615 करोड़ रुपये से थोड़ा कम था। स्मॉल-कैप फंड्स दूसरे नंबर पर रहे। इनमें लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निवेश आया।

ये हैं तेज बढ़ते फंड्स

बीते अप्रैल महीने के दौरान सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में निवेश बहुत तेजी से बढ़ा। अप्रैल में इनमें 2,000 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में ये सिर्फ 170 करोड़ रुपये आया था। वहीं, ईएलएसएस फंड्स से अप्रैल में 372 करोड़ रुपये निकाले गए। जबकि मार्च में इसमें 735 करोड़ रुपये का निवेश आया था। पिछले साल अप्रैल 2024 में भी इससे 144 करोड़ रुपये निकाले गए थे।

डेट फंड का बढ़ा वैल्यू

डेट म्यूचुअल फंड्स की 16 कैटेगरी में से 12 में निवेश आया। लिक्विड फंड्स में सबसे ज्यादा निवेश आया। अप्रैल में लिक्विड फंड्स में 1.18 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में इससे 1.33 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। यह एक बड़ा बदलाव है।

कम अवधि के फंड में क्या?

मनी मार्केट फंड्स और अल्ट्रा शॉर्ट ड्यूरेशन फंड्स में भी अच्छा निवेश आया। इनमें अप्रैल में क्रमशः 31,507 करोड़ रुपये और 26,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। डेट फंड्स की चार कैटेगरी ऐसी रहीं जिनसे अप्रैल में पैसा निकाला गया। इनमें गिल्ट फंड्स से सबसे ज्यादा, 425 करोड़ रुपये निकाले गए। इसके बाद क्रेडिट रिस्क फंड्स से 301 करोड़ रुपये निकाले गए। डायनेमिक बॉन्ड फंड्स से सबसे कम, 10.23 करोड़ रुपये निकाले गए। मार्च में इससे 372 करोड़ रुपये निकाले गए थे, जिसके मुकाबले ये बहुत बेहतर है।

हाइब्रिड फंड्स में भी बढ़ा निवेश

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में अप्रैल में 14,247 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि मार्च में इससे 946 करोड़ रुपये निकाले गए थे। हाइब्रिड फंड्स की छह कैटेगरी में से डायनेमिक एसेट एलोकेशन, मल्टी-एसेट एलोकेशन और आर्बिट्रेज फंड्स में पॉजिटिव फ्लो देखने को मिला। आर्बिट्रेज फंड्स में सबसे ज्यादा, 11,790 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि मार्च में इससे 2,854 करोड़ रुपये निकाले गए थे। मल्टी-एसेट एलोकेशन और डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड्स में क्रमशः 2,105 करोड़ रुपये और 881 करोड़ रुपये का निवेश आया।

इन फंड्स से निकाले गए पैसे

इस महीने कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स, एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स और इक्विटी सेविंग्स फंड्स से क्रमशः 236 करोड़ रुपये, 151 करोड़ रुपये और 141 करोड़ रुपये निकाले गए। दूसरे स्कीम्स, जिनमें इंडेक्स फंड्स और ईटीएफएस शामिल हैं, में भी निवेश 43% बढ़ा। अप्रैल में इस कैटेगरी में 20,229 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में ये 14,48 करोड़ रुपये था।

डेट फंड्स

डेट फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स हैं जो मुख्य रूप से डेट सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जैसे कि बॉन्ड, डिबेंचर, और सरकारी सिक्योरिटीज। डेट फंड्स का उद्देश्य नियमित आय और पूंजी की सुरक्षा प्रदान करना है।

डेट फंड्स के फायदे

- नियमित आयः डेट फंड्स नियमित आय प्रदान कर सकते हैं।
- कम जोखिमः डेट फंड्स आमतौर पर इक्विटी फंड्स की तुलना में कम जोखिम वाले होते हैं।
- पूंजी की सुरक्षाः डेट फंड्स का उद्देश्य पूंजी की सुरक्षा करना है।

हाइब्रिड फंड्स

हाइब्रिड फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स हैं जो इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करते हैं। हाइब्रिड फंड्स का उद्देश्य इक्विटी के उच्च रिटर्न और डेट की सुरक्षा दोनों को प्रदान करना है।

हाइब्रिड फंड्स के फायदे

- विविधीकरणः हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करके विविधीकरण प्रदान करते हैं।
- जोखिम प्रबंधनः हाइब्रिड फंड्स जोखिम प्रबंधन में मदद कर सकते हैं।
- नियमित आय और पूंजी प्रशंसाः हाइब्रिड फंड्स नियमित आय और पूंजी प्रशंसा दोनों प्रदान कर सकते हैं।
- इन दोनों प्रकार के फंड्स में निवेश करने से पहले, अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

खबर संक्षेप

सांसद दीपेंद्र को सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए

रोहतक। हरियाणा के पूर्व मंत्री व किसान नेता कृष्ण मूर्ति हुड्डा ने कहा कि जिला विकास समन्वय कमेटी की बैठक से पहले रोहतक के सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने उपायुक्त के साथ दुर्व्यवहार किया वह शर्मनाक है। रोहतक के सांसद अक्तूबर 2024 की विधानसभा में कांग्रेस पार्टी की हार को पचा नहीं पा रहे है और वह अब मानसिक सन्तुलन खो चुके हैं। इस शर्मनाक व्यवहार पर रोहतक के सांसद को सार्वजनिक माफी मंगवानी चाहिए। साथ ही सरकार को रोहतक के सांसद पर एफआईआर दर्ज करानी चाहिए। रोहतक के सांसद व उनके साथ-साथ कांग्रेसी विधायकों के खिलाफ भी कारवाई करनी चाहिए क्योंकि ये दो विधायक रोहतक के सांसद को भड़का रहे थे।

किलोई में खिलाड़ियों ने लगाए पौधे

रोहतक। डॉ. राम धन सिंह बास्केटबॉल स्टेडियम, किलोई में पर्यावरण संरक्षण को लेकर शनिवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों द्वारा पौधरोपण किया गया और पर्यावरण के महत्व पर जागरूकता फैलाई गई। कार्यक्रम में समाजसेवी श्रीभगवान वर्मा मुगान ने खिलाड़ियों को कहा कि जब से दुनिया शुरू हुई है, तभी से इंसान और प्रकृति के बीच गहरा रिश्ता रहा है। पेड़ों से हमें फल, सब्ज़ियां, अनाज, लकड़ी, कपड़ा, ऑक्सीजन और औषधियां मिलती हैं। इनका संरक्षण जीवन के लिए अनिवार्य है। कार्यक्रम में सुनील, सतविंदर और स्टेडियम प्रधान मनोज हुड्डा ने भी खिलाड़ियों को संबोधित किया।

बाबा मस्तनाथ विवि में छात्राओं को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय ने युवा रेडक्रॉस कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को शहीद कैप्टन दीपक शर्मा पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मॉडल टाउन में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया। यह शिविर छात्राओं में व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य के प्रति सजगता और जीवनशैली में सुधार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एचएल वर्मा द्वारा की गई। कुलपति ने युवा रेडक्रॉस के स्वयंसेवकों को शिविर के लिए विश्वविद्यालय परिसर से रवाना किया और उनके इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी जब समाज सेवा और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाती है, तो यह पूरे विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय होता है। ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनते हैं और छात्रों के व्यक्तित्व विकास में भी अहम योगदान देते हैं। इस शिविर का नेतृत्व युवा रेडक्रॉस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजय कुमार और काउंसलर डॉ. हर्षदीप छिकारा ने किया। आयुर्वेद विभाग से डॉ. शिखा मोर, डॉ. खुशी और डॉ. वर्षा ने छात्राओं को स्वच्छता के महत्व, हाथ धोने की सही विधि, पौष्टिक आहार, योग और नियमित व्यायाम के लाभों पर विस्तृत जानकारी दी। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के युवा रेडक्रॉस स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

स्वास्थ्य के प्रति आती है जागरूकता

प्रधानाचार्या मीता कंसल ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से न केवल छात्राओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आती है, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। हिंदी प्रवक्ता रणबीर सिंह और राजनीति शास्त्र प्रवक्ता रामकुमार हुड्डा ने भी अपने विचार साझा किए और स्वास्थ्य के महत्व पर बल दिया। डॉ. संजय कुमार ने विद्यालय की प्रधानाचार्या को स्मृति चिन्ह भेंट किया और सभी सहभागियों को स्वास्थ्य जागरूकता को समाज में आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

रोहतक। स्वास्थ्य जागरूकता शिविर में प्रधानाचार्या को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए युवा रेडक्रॉस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजय कुमार, व उपस्थित युवा रेडक्रॉस स्वयंसेवक और छात्राएं। *फोटो : हरिभूमि*

12वीं पास छात्र एमडीयू में एडमिशन लेकर बनाएं करियर

चार वर्षीय बीए इतिहास पाठ्यक्रम देगा छात्रों को रोजगार के नए अवसर

पाठ्यक्रम न केवल छात्रों को इतिहास की गहराई से समझ प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

12वीं पास विद्यार्थी महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग से बीए इतिहास (चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम) पाठ्यक्रम में एडमिशन लेकर अपने करियर को नए आयाम दे सकते हैं। यह पाठ्यक्रम न केवल छात्रों को इतिहास की गहराई से समझ प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें रोजगार की दृष्टि से भी बेहतर अवसरों के लिए तैयार करेगा। इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. जयवीर धनखड़ ने बताया कि नई शिक्षा नीति-2020 के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत तैयार किया गया यह चार वर्षीय कार्यक्रम विषय-विशेषज्ञता के साथ-साथ कौशल विकास पर भी विशेष बल देता है। इसमें विद्यार्थियों को पारंपरिक इतिहास अध्ययन के अलावा अनुसंधान विधियां, डिजिटल मानविकी, पुरातत्व, संग्रहालय अध्ययन, अभिलेखीय विज्ञान, और सांस्कृतिक विरासत संरक्षण जैसे व्यावसायिक और तकनीकी विषयों का भी प्रशिक्षण मिलेगा। इसके अतिरिक्त, इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट-आधारित अध्ययन को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है ताकि छात्र व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकें।

भविष्य के लिए निर्णय लेने की कुंजी है

प्रो धनखड़ ने बताया कि इतिहास केवल अतीत का अध्ययन नहीं, बल्कि वर्तमान को समझने और भविष्य के लिए निर्णय लेने की कुंजी है। हमारा उद्देश्य छात्रों को केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा सक्षम बनाना है कि वे शिक्षण, शोध, अभिलेखागार, संग्रहालय, सांस्कृतिक संसाधन प्रबंधन, मीडिया, पर्यटन और सिविल सेवाओं जैसे क्षेत्रों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर

चार वर्षीय डिग्री धारकों को भविष्य में पीजी और शोध कार्यक्रमों में सीधा प्रवेश, नेट-जेआरएफ जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में लाभ तथा विदेशों में उच्च अध्ययन के अधिक अवसर मिल सकेंगे। साथ ही, यह पाठ्यक्रम उन छात्रों के लिए भी उपयोगी है जो डिजिटल कंटेंट क्रिएशन, हेरिटेज मैनेजमेंट या इतिहास आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माण जैसे नवीन क्षेत्रों में करियर बनाना चाहते हैं। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के इस नवाचारात्मक प्रयास से शिक्षा और रोजगार के बीच की दूरी कम होगी और इतिहास विषय की प्रासंगिकता को नया आयाम मिलेगा। इस पाठ्यक्रम में 60 सीटें उपलब्ध हैं। प्रवेश के लिए एडमिशन प्रक्रिया जारी है और इच्छुक विद्यार्थी 2 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा।

राज्य सरकार ने आबकारी नीति में किया संशोधन: संदीप दहिया

- आवंटन के दिन बोली राशि का दो प्रतिशत हिस्सा कराना होगा जमा
- ई-निविदा की तिथियों में भी किया परिवर्तन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा सरकार ने आबकारी नीति में संशोधन किया है। उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त (आबकारी) संदीप दहिया ने बताया कि संशोधन नीति के तहत शराब के ठेको के सफल आवंटियों से ली जाने वाली सुरक्षा धन की राशि को पूर्व निर्धारित 15 प्रतिशत से घटकर 11 प्रतिशत कर दिया गया है। बताया कि वर्ष 2025-27 के लिए राज्य सरकार ने आबकारी नीति को अनुमोदित किया था। उन्होंने बताया कि सफल बोलीदाता को आवंटन के दिन बोली राशि का 2 प्रतिशत (पहले 3 प्रतिशत था) सुरक्षा के लिए पहले हिस्से के रूप में जमा कराना होगा। यदि वह उक्त तिथि को बोली राशि का 2 प्रतिशत जमा करने में विफल रहता है तो बोली रद्द कर दी जाएगी। उसके द्वारा जमा कराई गई बयाना राशि को जब्त कर लिया जाएगा। रोहतक जिले की निविदाओं की तिथियों को भी संशोधित किया गया है। अब यह ई-निविदाएं 26 मई को प्रातः 9 बजे से 27 मई को सायं- 4 बजे तक आयोजित की जाएगी। प्राप्त ई-निविदाओं का मूल्यांकन 27 मई को सायं- 5 बजे उपायुक्त की अध्यक्षता में किया जाएगा। जिले में शराब के ठेकों की आबकारी व्यवस्था, विस्तृत प्रक्रिया तथा ई-निविदा से संबंधित सार्वजनिक सूचनाएं विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। किसी भी प्रकार की अन्य जानकारी के लिए उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त रोहतक के कार्यालय के कमरा नंबर-308 तृतीय तल लघु सचिवालय रोहतक में संपर्क किया जा सकता है।

वेटिंग फॉर गोडोट नाटक का मंचन

रोहतक। डीएलसी सुपवा में फिल्म और टेलीविज़न संकाय के अभिनय विभाग द्वारा सैमुअल बेकेट के नाटक वेटिंग फॉर गोडोट का मंचन विश्वविद्यालय के मिनी ऑडिटोरियम में किया गया। सीजेएम तरन्नुम खान और पीजीआईएमएस से डॉ. शिवानी कौशिक ने छात्रों के सशक्त प्रदर्शन को न केवल सराहा, बल्कि इसे एक बौद्धिक और भावनात्मक रूप से गहन अनुभव भी बताया।

तरन्नुम खान ने कहा कि इस नाटक ने न केवल दर्शकों को मंच से जोड़ा, बल्कि जीवन और अस्तित्व से जुड़े गूढ़ प्रश्नों पर सोचने के लिए भी प्रेरित किया। छात्रों की अभिव्यक्ति, नियंत्रण और संवाद की गहराई अद्भुत थी। डॉ. शिवानी कौशिक ने कहा कि यह प्रस्तुति अभिनय के साथ-साथ आत्म-अन्वेषण की एक यात्रा भी थी। मंच पर विद्यार्थियों ने जिस समझ और प्रतिबद्धता के साथ इस जटिल कृति को निभाया, वह प्रशंसनीय है।

पुलिस भर्ती के वादे नहीं किए सरकार ने पूरे : दीपेंद्र हुड्डा

रोहतक। रोहतक लोकसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि 5500 पुलिस की भर्ती और सीईटी में क्लर्क सरकार बनते ही ज्वाइन करवाएंगे, लेकिन सरकार बनने के बाद उसे भूल गए। इसी तरह से 2100 रुपए महिलाओं के भूल गए। उन्होंने कहा चुनाव से पहले जो बीपीएल कार्ड बनाए गए, अब चुनाव के बाद उन्हें काटा जा रहा है। वे अपने निवास पर देर शाम पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि थानेसर में देखने को मिला कि कैसे एक चुने हुए प्रतिनिधि व वरिष्ठ नेता अशोक अरोड़ा के साथ हाथापाई की गई, वह निंदनीय है। यह लोकतंत्र पर हमला है। सांसद ने कहा कि इनेलो व जेजेपी में इस बात की लड़ाई है कि बीजेपी की ए टीम कौन है।

मार्केट न्यूज

शहर के प्रतिष्ठित संस्थान रंश किआ ने आज कॉरेन्स के नए उत्पाद कॉरेन्स क्लाविस को लांच किया

रोहतक। शहर के प्रतिष्ठित संस्थान रंश किआ ने आज कॉरेन्स के नए उत्पाद कॉरेन्स क्लाविस को निखार ग्रुप के सीएमडी श्री राजिंदर बंसल जी के कर कमलों द्वारा लांच किया। कॉरेन्स क्लाविस के इस नए उत्पाद में बहुत ही यूनीक फीचर्स दिए गए हैं। किआ ने आज नई कॉरेन्स क्लाविस को 1.5 पेट्रोल, डीजल एंड टर्बो इंजन में लांच किया। इसमें 17 इंच के डायमंड कट अलॉय व्हील्स, द्वितीय रो कैप्टेन सीट के साथ, ड्यूल पैनारोमिक सनरूफ, 6 एयर बैग्स स्टैण्डर्ड, 2 टोनी इंटीरियर रूफरेल, 7 स्पीड गियर ऑटो ट्रांसमिशन, आल डिस्क ब्रेक, ऐडास लेवल 2 - 20 फीचर्स के साथ, 360 डिग्री कैमरा, तीसरी रो फुल्ली फोल्डेबल सीट साथ में 560 लीटर बूटस्पेस के साथ, 6 वे पावर ड्राइवर सीट, 26.62 इंच पैनारोमिक टच स्क्रीन, 3 वे ड्राइव मोड, स्मार्ट क्रूज कण्ट्रोल, पैडल शिफ्टर, 8 कलर मून लाइटिंग, 8 स्पीकर विद बॉस म्यूजिक साउंड सिस्टम, वायरलेस फ़ोन चार्जिंग इत्यादि फीचर्स इस गाड़ी को इस सेगमेंट में अलग ही दर्जा दिलाती हैं इस मोके पर 5 कॉरेन्स क्लाविस गाड़ियों की बुकिंग की गयी। इस गाड़ी का फ्रंट और बैक लुक बहुत ही मन लुभावन है।

डीएलएफ स्थित शाइनिंग स्टार्स में लगाया नि:शुल्क चिकित्सा कैंप, मरीजों की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डीएलएफ़ स्थित शाइनिंग स्टार्स में भारत विकास परिषद युवा शाखा के सहयोग से अथर्व आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आने वाले अभिभावकों, विद्यार्थियों तथा स्टाफ सदस्यों ने विभिन्न चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम का प्रारंभ हिमांशु ग्रोवर (भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर के बेटे), अथर्व आयुर्वेद मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर संजीव मदान, भारत विकास परिषद् से अमित मित्तल, रेणु खटोर, पूजा महेश्वरी, रमन मेहता, अशोक कुमार गुप्ता, सुनील जैन, अमित नागपाल, अक्षय गोयल, आशीष , अमित महेश्वरी, अमन गर्ग, नरेंद्र गुप्ता, जॉन वेसले कन्वेंट के डायरेक्टर सुरेंद्र मलिक व प्राचार्या डॉ ममता मलिक ने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर ममता मलिक ने बताया कि लोगों के लिए स्वास्थ्य शिविर में सभी सुविधाओं और दवाओं की उपलब्धता रही। इस अवसर पर विद्यालय इंचार्ज कुसुम, रिचा कपूर, मोनिका मुंजाल, रितिका, चारू, गीतिका, शिल्पा, अनु, स्वाति, पायल शर्मा, पायल, मोनिका आर्या, योगिता उपस्थित रहे।

रोहतक। स्वास्थ्य कैंप में मौजूद भारत विकास परिषद के पदाधिकारी व सदस्य।

ये सुविधाएं दी

- पंचकर्म
- शल्य चिकित्सा (सर्जरी)
- इएनटी (शालाक्य)
- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा
- काया चिकित्सा (जनरल मेडिसिन)
- प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग

रोहतक। रॉप स्किपिंग के विजेता खिलाड़ी व शिक्षक खुशी का इजहार करते हुए।

रॉप स्किपिंग में एसडी स्कूल प्रथम

रोहतक। एमेच्योर रॉप स्किपिंग संघ के बैनर तले एक दिवसीय जिला स्तरीय रोप स्किपिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता सनशाइन सीनियर सेकेंडरी में संपन्न हुई, संघ के प्रेसिडेंट सत्येंद्र मान ने बताया कि इस प्रतियोगिता में जिले के 32 स्कूलों के 484 लड़के व लड़कियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी राज्य स्तरीय हरियाणा रोप स्किपिंग चैंपियनशिप में भाग लेंगे। प्रतियोगिता में एसडी पब्लिक स्कूल ने प्रथम, वैश्य पब्लिक स्कूल सेक्टर 3 ने द्वितीय, जॉन वेसले कन्वेंट स्कूल व सनशइन सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ एसडी पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर राजेश आर्य व सनशाइन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर रमन परूथी ने किया। सनशाइन सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रिंसिपल रितु परूथी व एमेच्योर रॉप स्किपिंग संघ हरियाणा के महासचिव सुनील वशिष्ठ ने सभी बच्चों को मेडल देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका हरवीर राठी, नीरज राणा आदि रहे।

विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विजडम हाऊस प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में विभिन्न साप्ताहिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसके तहत छठी से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान प्रश्नोत्तरी, कक्षा नौवीं के छात्रों के लिए गणित प्रश्नोत्तरी, कक्षा दसवीं के छात्रों के लिए पहलगाम अटैक पर समूह चर्चा आयोजित की गई। कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों के लिए पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता और कक्षा ग्यारहवीं-बारहवीं कक्षा के लड़कों के लिए वालीबॉल इंटर हाउस प्रतियोगिता करवाई गई। विज्ञान प्रश्नोत्तरी में विजडम हाउस प्रथम, इंटीग्रिटी हाउस द्वितीय और हार्मनी हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मैथ क्विज एवं ग्रुप डिस्कशन में सभी छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं वॉलीबॉल की टीमों में मुकाबला बराबर रहा। कार्यक्रम के अंत में विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

महम। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेते आर्य स्कूल मदीना के विद्यार्थी।

स्किल डेवलपमेंट सेंटर का किया उद्घाटन

रोहतक। इंदिरा कॉलोनी स्थित संस्कार केंद्र में एमटीएफसी एजुकेशनल सोसायटी द्वारा डॉ. रविंद्र सिंह के जन्मदिन के सुअवसर एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से एलपीएस बोसार्ड प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक राजेश जैन के माता-पिता स्वर्गीय बिमल प्रसाद जैन व स्वर्गीय सुशीला देवी जैन के नाम पर स्किल डेवलपमेंट सेंटर के उद्घाटन पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

सूचना

मैं, धन्नाराम पुत्र श्री गोरखा निवासी गांव कटेसरा, तहसील कलानौर, जिला रोहतक बयान करता हूं कि मेरी पुत्री अंजली मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

द आर्यन ग्लोबल स्कूल में क्लब एक्टिविटीज का आयोजन

रोहतक। द आर्यन गलोबल स्कूल में क्लब एक्टिविटीज का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों के लिए विभिन्न क्लबों का संचालन किया। बच्चों ने बढ़-चढ़कर इन गतिविधियों में हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने पाक कला सीखकर साबित कर दिया कि आर्यंस किसी भी काम में पीछे नहीं है। विद्यार्थी नृत्य कला में भी पीछे नहीं रहे। क्लब की गतिविधियों में भाग लेने से छात्र आत्मविश्वास और स्वतंत्रता का निर्माण करते हुए अपनी रुचियों और शौक को आकार देते हैं। इन क्लबों के माध्यम से, छात्र सहयोग करते हैं, सीखते हैं और बढ़ते हैं, जो उन्हें समग्र व्यक्तिगत और शैक्षणिक सफलता के लिए तैयार करता है। स्कूल निदेशिका सुनीता अहलावत ने कहा कि बच्चों को किसी भी काम से जी नहीं चुराना चाहिए बल्कि आगे बढ़कर हर कार्य में अपना संपूर्ण योगदान देना चाहिए।

रोहतक। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- BAMS 6
- PRO 5
- RMO 5

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

केवीएम स्कूल में पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

केवीएम स्कूल में पद भार ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। हेड बॉय अभिनव, हेड गर्ल रचना, स्पोर्ट हेड बॉय देव, स्पोर्ट हेड गर्ल तनीषा नैन रहे। स्कूल के चारों सदनों के लिए हाउस कैप्टन बॉय, हाउस कैप्टन गर्ल और प्रीफेक्ट चुने गए। ड्रीम क्रिएटर, इको फ्रेंडली, काइनड हार्टेड और पीस कीपर यह स्कूल के चार सदन है, जिसमें हेड बॉय, हेड गर्ल और प्रीफेक्ट 1,2 का चयन किया गया। सभी चयनित छात्रों ने स्कूल के प्रति अपनी कर्तव्यनिष्ठा के लिए शपथ ली। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान गाकर किया गया। स्कूल संचालक कर्मवीर मायना ने सभी चयनित छात्रों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर स्कूल संचालक कर्मवीर मायना, प्रधानाचार्या डॉ मीना, नर्सिंग प्रधानाचार्या ज्योति शर्मा, बीएड प्रधानाचार्या धर्मवती सहित अन्य मौजूद रहे।

रोहतक। केवीएम स्कूल में पदभार ग्रहण समारोह शामिल विद्यार्थी व शिक्षक। **फोटो : हरिभूमि**

D.A.V. CENTENARY PUBLIC SCHOOL, ROHTAK
Managed by : DAV College Managing Committee, Chitragupta Road, New Delhi
English Medium, Co-Education, CBSE Affiliated School (Affiliation No. 530052) Ph. : 70820-60555

TOPPERS CBSE CLASS-XII (2024-2025)

COMMERCE: MAYANK BHATT 96.8%, LAKSHITA MINOCHA 94.6%, AYUSH GUPTA 94.6%, SIMRAN 94%
NON-MEDICAL: NIWAN KADYAN 94.4%, PRANSHU 92.8%, LAVANY 92.8%, TANVI GUPTA 92.6%
HUMANITIES: RICHA SEHGAL 98.2%, AYUSH 96.6%, TANISHA 95%
MEDICAL: JAI 89.4%, ABHEDITA 88.6%, MANASVI 86.8%

Admissions OPEN FOR CLASS-XI (ALL STREAMS)

Total Distinctions 514 | 95% & above 04 | 90% & above 22 | 80% & above 61 | First Division 178

SUBJECT WISE DISTINCTIONS

English	99	Painting	09	Economics	44	Accountancy	34	Physics	24	B.Studies	32
Music	119	Biology	10	Chemistry	29	History	06	Psycho.	07	Geography	11
Physical Education	27	Political Science	13	Informatic Practices	12	Mathematics	32				

TOPPERS CBSE CLASS-X (2024-2025)

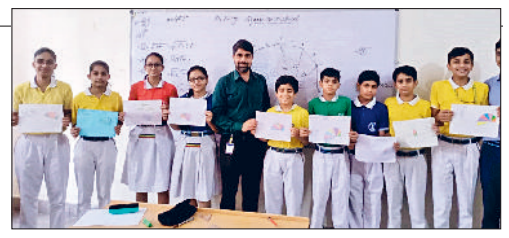

NAVYA 97.8%, KAFEERA 97.4%, BHUMI 96%, SAKSHAM MALHOTRA 95.8%, NAINA 95.8%, KESHAV BANSAL 95.6%, RIDHIMA 95.2%, AGRIM 95%, GARIMA KUMARI 94.6%, KIRTI 94%, SAMRAGGI DEY 94%, HANSIKA 94%

SUBJECT WISE DISTINCTIONS

ENGLISH	146	HINDI	103	MATHS	82
SOCIAL SCIENCE	81	SCIENCE	81	COMPUTER	146

Total Distinctions 639 | 95% & above 8 | 90% & above 36 | 85% & above 59 | 75% & above 110 | 60% & above 181

Why Us ?
- Learning Environment
- Modern Teaching Aids
- World Class Infrastructure
- Regular Havan-Yagya
- Activity based learning
- Special Focus on Slow Learners
- Indoor, Outdoor Sports
- Highly Qualified and Experienced Staff

JUSTICE PRITAM PAL, Chairman | MRS. ABHA GANGAL, Manager | SHANKER LAL, Principal

For any query, please contact : 70820-60555, 90530-11152

खबर संक्षेप

गुलशन शर्मा ने भारत को दिलाए दो सिल्वर मेडल

रोहतक। ताइपे, ताइवान में आयोजित 11वीं वर्ल्ड मास्टर गेम्स 2025 में जिले के गांव आवंल निवासी एथलीट गुलशन शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का नाम रोशन किया है। गुलशन ने 4×100 मीटर और 4×400 मीटर रिले रेस में सिल्वर मेडल जीतकर देश का तिरंगा विश्व मंच पर लहराया है। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 110 देशों के करीब 25 हजार खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

मैमोग्राफी कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन

रोहतक। एलपीएस बोसार्ड, डॉ. अनिता नरूला चैरिटेबल ट्रस्ट व श्री जानकी मंदिर द्वारा निशुल्क मैमोग्राफी कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन जूनियर प्ले स्कूल, पाड़ा मौहल्ला में किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया आयुषी जैन द्वारा कैंप का शुभारंभ किया गया। शिविर में 36 टैस्ट किए गए। आयुषी जैन ने कहा कि 40 वर्ष से उपर की महिलाओं को अपनी मैमोग्राफी करवानी चाहिए ताकि शुरू में ही कैंसर की बीमारी पता लग सके और उसका इलाज किया जा सके।

65 लोगों ने किया रक्तदान

रोहतक। भारत विकास परिषद् सेक्टर शाखा एवं एजुकेशन पॉइंट एकेडमी के संयुक्त तत्वाधान शीला बाईपास पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पीजीआई के ब्लड बैंक के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गजेंद्र सिंह ने बताया कि शरीर में 48 घंटे के अंदर नया रक्त बन जाता है इसलिए युवाओं को 3 से 6 महीने के अंदर अवश्य रक्तदान करना चाहिए।

1.07 किलो चरस समेत महिला तस्कर काबू

महम। हरियाणा एनसीबी टीम ने महम थाना क्षेत्र के गांव बहलबा से एक महिला को नशीले पदार्थ की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। थाना महम के एरिया मे महम बाईपास पर बेरी महम रोड के पास मौजूद था तभी सूचना मिली कि एक महिला नशा तस्कर जो अपने घर से अवैध नशीले पदार्थ की तस्करी का काम करती है और अभी अपने घर से अवैध नशीला पदार्थ तस्करी करने वाली है। आरोपी की तलाशी ली गई तो उसके पास थैली से 1.070 किग्रा नशीला पदार्थ चरस बरामद हुई।

पीजी के छात्रों को रिसर्च पर जोर देने की दी सलाह: डॉ. एसके सिंघल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पीजी छात्र अस्पताल की रीढ़ हैं और वे शिक्षण, अनुसंधान और रोगी देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पीजी छात्रों को नई तकनीकों और दवाओं के बारे में जानने के लिए जिज्ञासु रहना चाहिए। जितना ज्यादा हम रिसर्च पर ध्यान देंगे वो मरीजों के हित में तो होगा ही उससे हमारा बॉयोडाटा भी अच्छा बनता है जो हमारी उन्नित के लिए जरूरी है। यह कहना है पीजीआईएमएस के निदेशक डॉ.एसके सिंघल का। वें शनिवार को मल्टीडिसीप्लिनरी रिसर्च यूनिट द्वारा पीजी रेजिडेंट्स के लिए आयोजित दो दिवसीय ओरिएंटेशन वर्कशॉप के अंतिम दिन चिकित्सकों को व्याख्यान दे रहे थे।

डॉ सिंघल ने कहा कि अच्छे शिक्षा और अनुसंधान के लिए व्याख्यान, सेमिनार और कार्यशालाएं अनिवार्य हैं। पीजी छात्रों को इन कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए और अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीजी छात्रों को इंटर्न और जूनियर डॉक्टरों का मार्गदर्शन करना चाहिए और उन्हें रोगी देखभाल, प्रोटोकॉल और प्रक्रिया के बारे में सिखाना चाहिए। यह मार्गदर्शन टीम वर्क और सम्मान को बढ़ावा देता है। डॉ एसके सिंघल ने कहा कि वैज्ञानिक लेखन में पेपर तैयार करना और प्रकाशित करना शामिल है। कॉन्फ्रेंस में पेपर और पोस्टर प्रस्तुत करने से संचार कौशल में सुधार होता है। कार्यशालाओं में हमें हैंड्स ऑन ट्रेनिंग मिलती है तो ऐसे में साल में दो कार्यशालाओं में अवश्य हिस्सा लें।

डॉ. सिंघल ने बताया कि पीजी छात्र अस्पताल में गुणवत्ता सुधार परियोजनाओं में योगदान कर सकते हैं। शैक्षणिक लॉगबुक बनाए रखना अनिवार्य है। डॉ सिंघल ने कहा कि अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियां आपके सीवी को अच्छा बनाती हैं और आपके करियर में आगे बढ़ने में मदद करती हैं।

मनोरोग विभाग की प्रोफेसर डॉ सुजाता सेठी ने संचार कौशल पर एक व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने प्रभावी संचार के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि नेत्र संपर्क बनाए रखना संचार का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जब हम किसी से बात करते हैं, तो नेत्र संपर्क रखने से हमारा संदेश अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचता है। उन्होंने कहा कि बुरी खबर देने के लिए संवेदनशीलता और सहानुभूति की आवश्यकता होती है। डॉ. सुजाता सेठी ने कहा कि गलतियों के लिए माफी मांगना महत्वपूर्ण है। इससे मरीजों और उनके परिवारों के साथ विश्वास बनाने में मदद मिलती है। डॉ सिद्धार्थ आर्य ने स्ट्रेस मैनेजमेंट पर व्याख्यान दिया।

स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण नियंत्रण पर मंथन, अस्पताल की रीढ़ पोस्ट ग्रेजुएट

माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अपर्णा परमार ने संक्रमण नियंत्रण अभ्यास पर एक व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण नियंत्रण के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि संक्रमण नियंत्रण स्वास्थ्य सेवाओं में एक महत्वपूर्ण पहलू है। इससे मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों को संक्रमण से बचाया जा सकता है। डॉ. अपर्णा ने बताया कि संक्रमण नियंत्रण के लिए कई तरीके हैं, जिनमें हाथों की स्वच्छता, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग, और सतहों की सफाई और कीटाणुशोधन शामिल हैं। एमआरयू के नोडल अधिकारी डॉ. संजय कुमार ने बताया कि इस दो दिवसीय वर्कशॉप से पीजी छात्रों को बहुत ज्यादा सीखने को मिला है जो उन्हें ताउम्र काम आएगा। एनएमसी द्वारा 5 क्रेडिट आवर्स भी प्रदान किए गए हैं। डॉ. संजय ने सभी फैकल्टी सदस्यों का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि हर साल यह वर्कशाप प्रथम वर्षीय पीजी के लिए आयोजित करवाई जाए। डॉ संजय ने कहा कि वह डॉक्टर मधु शर्मा, डॉक्टर नीति मित्तल और डॉक्टर रितिका का वर्कशॉप के आयोजन करवाने में सहयोग करने के लिए धन्यवाद व्यक्त करते हैं।

रोहतक। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि पीजीआईएमएस के निदेशक डॉ.एसके सिंघल को स्मृति चिन्ह देते नोडल अधिकारी डॉ. संजय कुमार व अन्य डॉक्टर।

डीसी ने बाढ़ निकासी प्रबंधों का लिया जायजा

डीसी की अधिकारियों को दो टूक, 15 तक ड्रेनों की सफाई करें सुनिश्चित

डीसी शनिवार को बाढ़ बचाव कार्यों को लेकर जिले की विभिन्न ड्रेन ऑन और डिस्पोजलों का निरीक्षण कर रहे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने जिला की सभी ड्रेनों के शेष बचे सफाई के कार्य को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। डीसी शनिवार को बाढ़ बचाव कार्यों को लेकर जिला की विभिन्न ड्रेन ऑन और डिस्पोजलों का निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ड्रेनों की सफाई का कार्य हर हाल में 15 जून तक पूरा होना चाहिए।

सिंचाई विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व नगर निगम के अधिकारियों के साथ जसिया लिंक ड्रेन, मकड़ौली लिंक ड्रेन, कन्हेली ड्रेन व रोहतक लिंक ड्रेन का निरीक्षण किया। इनमें अब तक की गई सफाई को देखा और मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने जसिया लिंक ड्रेन के बारे में बताया कि इस के माध्यम से गांव जसिया, काहनी, मकड़ौली, ब्राह्मणवास, चमारिया, लाढ़ौत के बरसात के पानी की निकासी सुनिश्चित की जाती है। इन सभी की सफाई का कार्य प्रगति पर है।

रोहतक। लिंक ड्रेन व डिस्पोजल का निरीक्षण करते उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह।

आईजी निवास के स्थित ड्रेन का निरीक्षण

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने इससे पहले आईजी निवास के साथ वाली ड्रेन का भी निरीक्षण किया। यहां पर अधिकारियों ने बताया कि नगर के कौन-कौन से हिस्से से बरसात का पानी इस ड्रेन में आता है। उन्होंने गुरु नानकपुरा स्थित डिस्पोजल केंद्र का भी निरीक्षण किया। गुरु नानकपुरा का डिस्पोजल 25 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। इस डिस्पोजल के माध्यम से महावीर कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी, अशोक नगर, कृपाल नगर, सैनीपुरा, चुन्नीपुरा, गोहाना अड्डा, गुरु नानकपुरा व टीबी अस्पताल आदि क्षेत्र से बरसाती पानी की निकासी की जाएगी।

वर्कशॉप में 203 इलेक्ट्रिक पंप, 89 डीजल पंप सेट मौजूद

अधिकारियों ने उपायुक्त को बताया कि बरसाती जल निकासी के लिए 16 डिस्पोजल व सीवरेज के लिए 18 डिस्पोजल काम कर रहे हैं। उन्होंने यहीं पर यमुना जल सेवाएं, मैकेनिकल डिविजन रोहतक की वर्कशॉप का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों से उपलब्ध पंप सेटों के बारे में जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने बताया कि वर्कशॉप में 203 इलेक्ट्रिक पंप है और डीजल पंप सेट की संख्या 89 है। निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता अरूण मुंजाल, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता संजीव कुमार, नगर निगम के एसडीओ तरूण कथूरिया, यमुना जल सेवाएं मैकेनिकल के कार्यकारी अभियंता राजेश भारद्वाज, सिंचाई विभाग के एसडीओ मुकेश, प्रदीप व विनीत रोहिल्ला अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

पीरबोहदी डिस्पोजल का भी निरीक्षण

डीसी ने पीरबोहदी डिस्पोजल का भी निरीक्षण किया। इसके माध्यम से बरसात व सीवर दोनों के पानी की निकासी की जाती है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि डिस्पोजल पूरी तरह से पानी निकासी के लिए सक्षम है। इस से सुखपुरा व नया बस स्टैंड आदि क्षेत्र के बरसात के पानी की निकासी की जाती है। उन्होंने अप्पू घर स्थित डिस्पोजल का भी निरीक्षण किया। अप्पू घर में नगर निगम द्वारा तालाब बनाया गया है। इसमें छोटू राम पार्क व आसपास के बड़े क्षेत्र का पानी एकत्रित होगा और उसके उपरांत पंपिंग करके डिस्पोजल में डाला जाएगा। अप्पू घर डिस्पोजल से पानी शीला बाईपास पर एचएसवीपी की ड्रेन में डाला जाता है। यह पानी आईजी निवास के साथ वाली ड्रेन से होता हुआ कन्हेली ड्रेन में और उसके उपरांत ड्रेरन नंबर 8 में जाकर गिरता है।

एचडी लिटिल ब्लॉसम्स स्कूल में हुई अभिभावक-शिक्षक बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सनसिटी सेक्टर-35 स्थित एचडी लिटिल ब्लॉसम्स स्कूल में कार्यशाला और अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध बाल मनोवैज्ञानिक डॉ. कविता शर्मा द्वारा बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और समग्र विकास पर केंद्रित एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में बच्चों के व्यवहार, सीखने की शैली, भावनात्मक समझ और माता-पिता की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यशाला में बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. कविता शर्मा ने बच्चों में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने और तनाव को कम करने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए। कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को समझना और समय पर मार्गदर्शन प्रदान करना था। अंत में एक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जहां प्रतिभागियों ने खुलकर सवाल पूछे और विशेषज्ञ से समाधान प्राप्त किए। डायरेक्टर सुरेंद्र फौगाट ने कहा कि ऐसी कार्यशाला से बच्चो का सर्वांगीण विकास होता है। ऐकडेमिक डायरेक्टर कृष्णा फौगाट ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रिंसिपल जगवंती कादियान ने अभिभावकों का धन्यवाद किया। मंच संचालन कोर्डिनेटर प्रगती ने किया ।

रोहतक में होगी भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा

रोहतक। गायत्री परिवार के सदस्यों ने रोहतक के कई स्कूलों में दौरा किया। जिसमें एसआरएस पब्लिक स्कूल, द सनशाइन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एसडी पब्लिक स्कूल, विद्यासागर हाई स्कूल, भाटिया हाई स्कूल, बौटी इंटरनेशनल स्कूल, केवीएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, इंडियन हाई स्कूल, नवयुग शिक्षा निकेतन आदि शामिल रहे। उन्हें भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई और स्कूलों को परीक्षा में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया गया। हरिओम वशिष्ठ ने बताया कि बहादुरगढ़ से गायत्री परिवार के सदस्यों ने रोहतक में रुपया चौक झज्जर बाईपास स्थित जय मां गायत्री यज्ञशाला में शांतिकुंज गायत्री तीर्थ के विस्तृत जानकारी के लिए और परीक्षा की संचालन सामग्री के लिए जिला रोहतक का कार्यालय बनाया गया।

सोशल मीडिया की भूमिका व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की नैतिकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय अंतर्गत भौतिक विज्ञान (रसायन विज्ञान) विभाग द्वारा विश्वविद्यालय की आईक्यूएसी (इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल) के संयुक्त तत्वाधान भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय सेमिनार हॉल में सोशल मीडिया की भूमिका एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की नैतिकता जैसे समसामयिक और विचारोत्तेजक विषयों पर केंद्रित रही। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को मंच भय जैसी गहरी समस्या से निजात दिलाने के साथ-साथ उन्हें दर्शकों से प्रभावी संवाद, आवाज़ के उतार-चढ़ाव (वॉयस मॉड्यूलेशन) और स्पष्ट अभिव्यक्ति (आर्टिक्यूलेशन) की कला में दक्ष बनाना रहा।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों के अतिरिक्त प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के शोधार्थियों और संकाय सदस्यों ने भी सक्रिय सहभागिता की। यह आयोजन कुलपति प्रो. एचएल वर्मा तथा कुलसचिव प्रो. विनोद कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को नवोन्मेषी सोच, स्वतंत्र अभिव्यक्ति और नैतिक दृष्टिकोण के साथ समाजोपयोगी विषयों पर विचार रखने के लिए प्रेरित किया। प्रतिभागियों ने निर्णायक मंडल के समक्ष अपने विचारों की प्रस्तुति दी। निर्णायक मंडल की भूमिका प्रो. रवि कुमार राणा, डॉ. विकास भारद्वाज एवं डॉ. परवीन यादव ने निभाई। विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विवि में भाषण प्रतियोगिता में विचार रखते हुए विद्यार्थी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजक डॉ. पल्लवी भारद्वाज, आयोजन सचिव डॉ. अंशुल सिंह, डॉ. विनोद भाटिया, डॉ. पूजा, भौतिक विज्ञान क्लब प्रभारी प्रो. संगीता मलिक आदि मौजूद रहे।

एनाटॉमी डिपार्मेंट को मिला एक और देहदान

रोहतक। पंडित भगवत दयाल यूनिवर्सिटी रोहतक के एनाटॉमी डिपार्मेंट को देहदान प्राप्ति हुई। दृष्टि देहदान सेवा समिति, सोनीपत के सदस्य नरेंद्र भूटानी ने पूर्व मुख्य नेत्र अधिकारी दिनेश शर्मा से संपर्क कर आजाद सिंह द्वारा अपनी माता का देहदान करवाने की इच्छा जाहिर की गई। मुख्य नेत्र अधिकारी दिनेश शर्मा ने विभाग अध्यक्ष डॉ सुरेश कांता राठी से संपर्क कर देहदान के लिए प्रार्थना की। उन्होंने स्वीकृति प्रदान करते हुए डॉक्टर विपिन गरसा, डॉ आरती एवं डॉ गोपाल की टीम को आदेश दिए कि वह देहदान की प्रक्रिया पूर्ण कर देह को प्राप्त करें। पूर्व मुख्य नेत्र अधिकारी दिनेश शर्मा ने दृष्टि सेवा समिति के सदस्यों से आग्रह किया कि वह आजाद सिंह की माता की देह को रोहतक लेकर आए और परिवार के सदस्य उनके साथ लाकर प्रक्रिया को पूर्ण करें।

श्री बाबा मस्तनाथ स्कूल में अलंकरण समारोह आयोजित

रोहतक। श्री बाबा मस्तनाथ स्कूल में अलंकरण समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों को कैप्टन और वाइस कैप्टन के रूप में चुना गया। इस आयोजन के तहत स्कूल के लिए हेड बॉय कक्षा 12वीं से समीर को चुना गया, हेड गर्ल कक्षा 11वीं की छात्रा हिमांशी को चुना गया। चारों हाउस मछेन्द्रनाथ, शंकर नाथ, चौरंगी नाथ और गोरखनाथ के हाउस कैप्टन और हाउस वाइस कैप्टन को भी चुना गया। इस दौरान सैनिक स्कूल के बच्चों ने परेड और मार्च कर आयोजन की शोभा बढ़ाई। डायरेक्टर कृष्ण कुमार मलिक और प्रिंसिपल रेनू वर्मा ने छात्रों को मोटिवेट किया। डायरेक्टर कृष्ण कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आप सभी को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो आपके नेतृत्व कौशल और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को दर्शाती है। आप अपने साथियों के साथ मिलकर स्कूल की विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे।

कारौर विद्यालय में सांझी रोटी कार्यक्रम आयोजित

रोहतक। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक माध्यमिक विद्यालय कारौर में विद्यार्थियों व अध्यापकों द्वारा सांझी रोटी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय में पहली बार आयोजित सांझी रोटी कार्यक्रम का नेतृत्व प्राचार्य मनोज अहलावत व स्टाफ सदस्यों के सहयोग एवं मार्गदर्शन में किया गया। विद्यालय में सभी विद्यार्थी स्वयं घर से भोजन तैयार करके लाए। सभी बच्चों व स्टॉफ सदस्यों ने आपस में मिलकर सामूहिक रूप से दरी पर बैठकर विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का स्वाद लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामूहिकता, स्वालंबन और आत्मनिर्भरता जैसे जीवन मूल्यों का समुचित विकास करना है।

कक्षा 11वीं एवं 12वीं वाणिज्य वर्ग के छात्रों ने एफडीडीआई का शैक्षणिक भ्रमण किया

रोहतक। आईबी स्कूल के कक्षा 11वीं एवं 12वीं के वाणिज्य वर्ग के छात्रों ने शनिवार को फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य छात्रों को जूतों के डिजाइन, निर्माण, विपणन एवं व्यापारिक संभावनाओं के विषय में जागरूक करना रहा। एफडीडीआई के विशेषज्ञों ने छात्रों को फुटवियर इंडस्ट्री में उपलब्ध करियर विकल्पों तथा स्वरोजगार के अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। वाणिज्य वर्ग की विभागध्यक्ष नीलिमा गांधी की देखरेख में छात्रों ने फुटवियर डिज़ाइन की विभिन्न प्रक्रियाओं जैसे डिजाइनिंग, प्रोटोटाइप निर्माण एवं फैशन ट्रेंड्स को समझा। संस्थान के अधिकारियों ने छात्रों को उद्यमिता, नवाचार और कौशल विकास की दिशा में प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन ने एफडीडीआई टीम का आभार प्रकट किया।

मैरिट में आए विद्यार्थियों को किया सम्मानित

सांपला। जिले के सुंडाना गांव में स्थित न्यू एस डी हाई स्कूल में शनिवार को एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में मेरिट में स्थान बनाने वाले विद्यार्थियों को मोबाइल देकर सम्मानित किया गया। स्कूल के डायरेक्टर सुशील कुमार ने कहा कि हर विद्यार्थी के लिए स्कूल ऐसा प्लेटफार्म है जो विद्यार्थी अनुशासन में रहकर और शिक्षा एवं खेल में अपना लक्ष्य बनाकर चलेगा। उसको ऊंचे पायदान पर पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। प्राचार्य विनोद कुमार ने भी बताया कि मैरिट में आने वाले 11 विद्यार्थियों के अलावा अन्य विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। स्कूल का उद्देश्य है कि हर विद्यार्थी अच्छे अंक लेकर अपनी परीक्षा में उत्तीर्ण हो ताकि उनका अच्छा भविष्य बन सके।

जलवायु सहनशील फसलों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया: प्रो. मदन पाल सिंह

एमडीयू में खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन पर कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग द्वारा 'जलवायु परिवर्तन के युग में खाद्य सुरक्षा की चुनौतियां' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन राधाकृष्णन फाउंडेशन फंड के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डीन, फैकल्टी ऑफ लाइफ साइंसेज प्रो. मीनाक्षी वशिष्ठ के उद्घाटन भाषण से हुई।

बॉटनी विभागाध्यक्ष प्रो. अनीता रानी सहरावत ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के बीच गहरे संबंध पर प्रकाश डाला और इस प्रभाव को कम करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई। तकनीकी सत्र में आईएआरआई, नई दिल्ली के प्रो. मदन पाल सिंह ने जलवायु सहनशील फसलों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विज्ञान आधारित उपायों और अनुकूलन रणनीतियों पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात एचएयू, हिसार के डॉ. अनिल पंघाल ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा की उभरती चुनौतियां विषय पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने खाद्य सुरक्षा की वर्तमान स्थिति, वैश्विक चुनौतियां, और जैव विविधता संरक्षण के साथ संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर चर्चा की। कार्यशाला में रवि शंकर एवं डॉ. संजय द्वारा क्लोरोफिल संकेंद्रण मीटर, टीडीआर मिट्टी नमी मीटर, मल्टी-सेंसर मॉनिटर और फोटोसिंथेसिस यील्ड एनालाइजर जैसे वैज्ञानिक उपकरणों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया, जिसमें छात्रों और शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में डीन, कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल प्रो. विनीता हुड्डा, प्रो. सुरेंद्र सिंह यादव (कोऑर्डिनेटर), प्रो. आशा शर्मा (आयोजन सचिव), डॉ. सुंदर सिंह आर्य (आयोजन सचिव), विभागाध्यक्ष- प्रो. मीनाक्षी नांदल, डॉ. महक डांगी, प्रो. एसके तिवारी व प्रो. पूजा सुनेजा, प्रो. रचना, प्रो. सुनील यादव, बीडीओ डॉ. अनिल अहलावत, जेएलए राजेश कुमार के साथ शोधार्थी एवं एमएससी छात्र उपस्थित रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

भविष्य की दुनिया बदल देगी

जेनेटिक इंजीनियरिंग

यह सही है कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। लेकिन इसके अलावा एक और वैज्ञानिक तकनीक ऐसी है, जो भविष्य में दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है, वो है-जेनेटिक इंजीनियरिंग। इसकी क्षमताओं, इससे उपजने वाली संभावनाओं और सामने आने वाले संकटों पर एक नजर।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

आजकल हर कहीं सबसे ज्यादा चर्चा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की ही होती है। लेकिन इससे होने वाले फायदों के साथ ही इससे हो सकने वाले नुकसान के बारे में भी लोग कई तरह की आशंकाएं व्यक्त करते हैं। सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर ही वैज्ञानिक चिंताएं नहीं हैं, जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर भी कई विशेषज्ञ चिंतित हैं और इसे खतरनाक दोधारी तलवार मान रहे हैं। इनके मुताबिक इसके कुछ बहुत लाभकारी पहलू हैं, लेकिन कुछ गंभीर खतरे और नैतिक प्रश्न भी इससे जुड़े हैं, जो लगातार डरावने हो रहे हैं।

कई वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जेनेटिकिस्ट और सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जॉर्ज चर्च कहते हैं, 'माना कि जेनेटिक इंजीनियरिंग में भारी संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बायोटेररिज्म जैसे दुरुपयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता।' चर्च तो यहां तक कहते हैं कि अगर यह तकनीक गलत हाथों में पड़ गई, तो यह महामारी और जैविक युद्ध का कारण बन सकती है। आनुवंशिकीय या जेनेटिक इंजीनियरिंग के निजी नियंत्रण में जाने से कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। महान भौतिकविद स्वर्गीय स्टीफन हाकिंग कहा करते थे कि अगर जेनेटिक इंजीनियरिंग का दुरुपयोग हुआ तो कुछ 'सुपरह्यूमन' लोग खुद को बाकी मानव जाति से श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा था कि जीन एडिटिंग के कारण भविष्य में कोई नस्ल 'जेनेटिकली मोडीफाइड एलीट' बन सकती है, जो बाकी पर हावी हो सकती है।

मिसयूज में जुटे हैं कई वैज्ञानिक

अगले एक दशक के भीतर ही इस प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के असर का आकलन किया जा रहा है। यह अलग बात है कि वैज्ञानिक इसकी काट में लगे हुए हैं। गुणसूत्रों या जीन में हेर-फेर करके कैंसर और कुछ दूसरी लाइलाज बीमारियों से निजात पाने का रास्ता तलाशने की वर्तमान प्रकिया निकट भविष्य में संसार के कई देशों को और फिर समूचे संसार को अगले एक दशक के भीतर ही खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर सकती है। हालिया शोध और विकास की पड़ताल से पता चलता है कि इस दिशा में हो रही सकारात्मक प्रगति के साथ-साथ कुछ नकारात्मकक ताकतें भी सक्रिय हैं, वे इस तकनीक का दुरुपयोग कर सकती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन, जहां आनुवंशिकी और जीन संपादन या कहें जेनेटिक इंजीनियरिंग पर गहन काम हो रहा है, वहां के वैज्ञानिक अब खुलेआम यह कहने लगे हैं कि कुछ वैज्ञानिक निहित स्वार्थों के तहत तो कुछ स्वार्थी देशों के चंगुल में फंसकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक के साथ ऐसे प्रयोग में लगे हैं, जिसके नतीजे घातक हो सकते हैं। विज्ञान की नैतिकता और देश के कानून के दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे ये वैज्ञानिक आने वाले एक दशक में मानवता के लिए बेहद भयावह समस्या खड़ी कर सकते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस की यह चिंता वाजिब है कि यह न सिर्फ आनुवंशिकी और चिकित्सा के क्षेत्र के लिए बहुत नुकसानदेह है वरन, संपूर्ण मानवता को संकट में डालने वाला है। इसलिए जीन एडिटिंग से संबंधित कार्यों को सरकार के कठोर नियंत्रण में होना चाहिए।

पनप सकते हैं खतरनाक रोग

जेनेटिक अभियांत्रिकी फिलहाल एक खुला क्षेत्र है। इस पर सरकारी नियंत्रण बहुत कम है। इधर इस क्षेत्र के तीव्र विकास में निजी क्षेत्र का भी बहुत योगदान सामने आया है। ऐसे में कुछ कॉरपोरेट के खरीदे हुए वैज्ञानिकों ने तरह-तरह के पेटेंट करवाकर इसे अरबों डॉलर का व्यवसाय बना दिया है। कमजोर नियंत्रण और इस तरह के विकास और बाजार के प्रवेश ने इसे भविष्य के वैश्विक संकट बनने की सहूलियतें प्रदान कर दी हैं। इसलिए भविष्य में जीन इंजीनियरिंग खतरा बन सकती है। आशंका इस बात की है कि रोगों से लड़ने की जैव तकनीक ढूंढने वाले चिकित्सकों की शोध का सहारा ले ये वैज्ञानिक नए रोगों का इजाद कर दवा व्यापार का नया रास्ता निकालने का काम न शुरू कर दें। ऐसे में असाध्य रोगों के कम होने की बजाय नए और घातक रोग बढ़ सकते हैं, जिनका इलाज ढूंढ़ना पहले से भी जटिल और मुश्किल साबित हो सकता है। ब्यूबॉनिक प्लेग खतरनाक है पर आज उसका इलाज मौजूद है। अब अगर इस रोग के जीवाणुओं की जेनेटिक इंजीनियरिंग कर दी जाए तो यह जनसंहार का ऐसा हथियार बन जाएगा, जिसका काट तुरंत मिलना तो नामुमकिन ही होगा।

दुनिया को होना होगा सचेत

कॉरपोरेट और बाजार के हाथों में जाकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक व्यापक जनसंहार के हथियारों में बढ़ोतरी कर सकता है और जैविक आतंकवाद का नया खतरा खड़ा हो सकता है। कुछ देश इस तरह के वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला बन सकते हैं और भविष्य में तमाम दूसरे देशों के साथ-साथ इसके शुरुआती शिकार भी। बहरहाल, इस प्रौद्योगिकी का समाज के नियंत्रण से बाहर होना भविष्य में भयानक परिणाम ला सकता है। ऐसे में पूरी दुनिया को इस दिशा में सचेत रहना होगा। *

असाध्य रोगों का इलाज होगा संभव

यह सही है कि जीन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बीते कुछ बरसों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके बहुत से फायदे भी हमें मिलने लगे हैं या मिलने वाले हैं। मसलन, इस नई तकनीक का सहारा लेकर आज वैज्ञानिक पहले से बहुत ज्यादा आसानी से, कम समय में और बेहद सटीक तरीके से गुणसूत्रों का कुशल संपादन कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग के जरिए निकट भविष्य में ही सिस्टिक फाइब्रोसिस या कई तरह के कैंसर का इलाज बेहद सरल हो जाने वाला है। इस तकनीक में स्मृतिभ्रंश या अलजाइमर, एचआईवी और ब्लड कैंसर या बीटा थैलेसेमिया जैसे रोगों से निजात दिलाने की खूबी है। इससे ऐसे बैक्टीरिया बनाए जा रहे हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर ग्लोबल वार्मिंग से मुक्ति दिलाएंगे, साथ ही ये बतौर ईंधन भी इस्तेमाल होंगे और इनसे रोगों को दूर करने वाले टीके भी बनाए जाएंगे। इस तकनीक से मानव शरीर के खराब अंगों को जानवरों के अंगों से बदला जा सकेगा और अंग प्रत्यारोपण के लिए सही अंगों का निर्माण निजी प्रयोगशालाओं में हो सकेगा। निजी कंपनियां करीब 40 फीसदी मानव अंगों को पेटेंट करा भी चुकी हैं। जिस तरह कॉरपोरेट इस क्षेत्र में निवेश को उतावला है, उसे देखते हुए शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में हर कदम पर खतरा सूंघकर आगे बढ़ना होगा ताकि उनके प्रायोगिक निष्कर्षों और प्रक्रियाओं का गलत लाभ ऐसे वैज्ञानिक न उठा सकें, जिनके संबंध स्वार्थी देशों या संगठनों से जुड़े हैं।

संभव होंगे डिजाइनर बेबी

जेनेटिक अभियांत्रिकी तकनीक के तहत गुणसूत्रों में हेर-फेर करके मनचाहे शिशु यानी डिजायनर बेबी की सुविधा आसानी से उपलब्ध होने के चलते भविष्य में बहुत से लोग अपने बच्चे को बेहतर और सुरक्षित बनाना चाहेंगे। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग से बच्चे की लंबाई, आंखों का रंग और बहुत से शारीरिक बदलाव के साथ उसे कई अनुवांशिक बीमारियों से मुक्त तो किया जा सकता है पर इस बात की भी पूरी गारंटी है कि वह बच्चा कुछ नई बीमारियों और संक्रमण के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता ही खो सकता है।

डेवलपमेंट
प्रमोद भार्गव

तकनीक के विकास ने ट्रेडिशनल वॉर के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इसी के मद्देनजर डी.आर.डी.ओ. सेना के लिए फाइटर रोबोट्स बना रहा है।

सेना में शामिल होंगे ह्यूमनॉइड फाइटर रोबोट

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे और स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट का निर्माण दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को जान का जोखिम कम हो।

तेजी से हो रहा कामः डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। चार साल से इस परियोजना पर काम चल रहा है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है। हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है।

सेना बना रही योजनाः भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ाई जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, हवाईयानों, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी बनाए जाने की तैयारी है। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी, तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है।

दुश्मनों से लड़ना होगा आसानः सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य और अदृश्य शक्ति के रूप में उतर कर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। दुश्मन की घुसपैठ और पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम करने में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी।

कई कार्यों में होंगे सक्षमः रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्विलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्केन कर सेना के सक्षम कंप्यूटरों में उतार देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉन्चिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले-अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आस-पास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों के छिपे होने की आशंका हो। रोबो सैनिक की सेवा देने की उम्र 25 साल रहेगी। ये इतने चपल होंगे कि जवाबी कार्यवाही के लिए ये तुरंत 360 डिग्री घूमकर दुश्मन पर अचूक निशाना साधने में सक्षम होंगे। ये लड़ाकू रोबोट पानी के नीचे 20 मीटर की गहराई तक भी काम करने में दक्ष होंगे। इनमें रडार, जीएसएम और जीपीएस सिस्टम लगे होंगे, जो 10-15 किमी तक के स्थल को ट्रेस कर सेना के नियंत्रण कक्ष को जानकारी भेज देंगे।

लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर दुश्मन की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों और जवानों को इसका विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। *

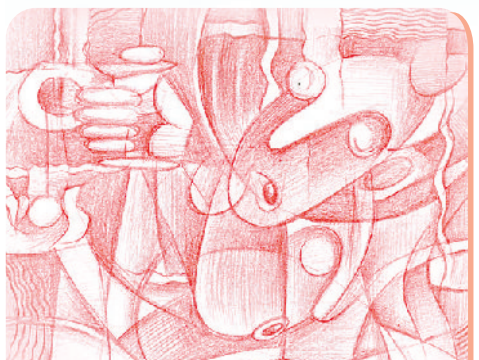

गजल
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

डर ही डर है

हर शै में डर ही डर है
मन में दुख का सागर है
कल घर में थीं दीवारें
अब दीवारों में घर है
हरियाली का नाम नहीं
जिसको देखो बंजर है
कोई देख न पाएगा
हर-सू ऐसा मंजर है
कौन किसे समझाएगा
सबके दिल में खंजर है
हाल किसी का क्या बोलें
हालत बद से बदतर है
दस्तावेजों में 'नवरंग'
आज कड़ाही में सर है

व्यंग्य
संदीप भटनागर

गधे और गुलाब जामुन

गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

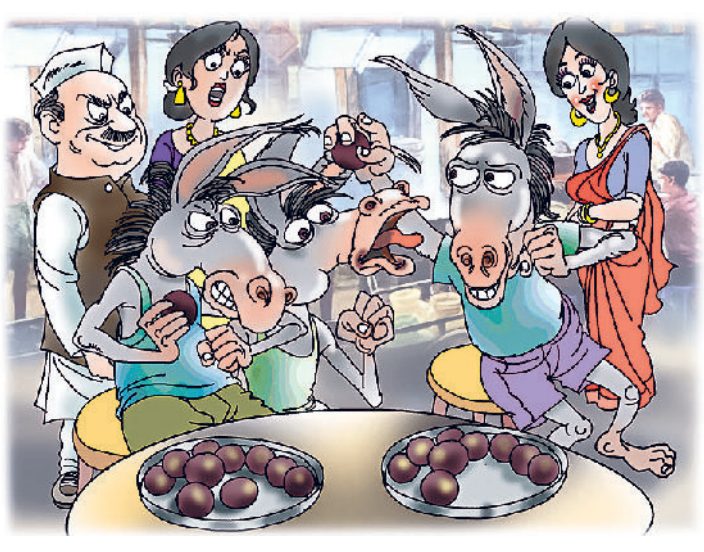

मिष्ठदंती होने के नाते मुझे मिठाइयों से विशेष प्रेम है। संतुलित भोजन और मीठे से परहेज करने के तमाम निर्देशों के बावजूद बारंबार इनके रस जाल के मोह में पड़ना सुमधुर और स्वादिष्ट लगता है। पसंद के मामले में सभी पारंपरिक मिठाइयों में गुलाब जामुन सदैव नंबर वन रहा है। अपनी अतिप्रिय मिठाई के बारे में कुछ रोचक समाचार पढ़ने को मिले। मध्य प्रदेश के एक शहर में गधों को गुलाब जामुन खिलाए गए। दूसरे शहर में जिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन नहीं लिए जाने पर आंदोलनकर्ताओं का प्रेम गधों पर उमड़ा। गधों ने गुलाब जामुन की दावत उड़ाई।

दिमाग हैरान परेशान! इस घोर पापी दुनिया में जहां एक इंसान दूसरे इंसान को बेमतलब जहर तक नहीं खिलाता, वहां गधों को गुलाब जामुन कैसे खिलाए जा रहे हैं? कहीं गधों और गुलाब जामुन का मेरी तरह कोई रिश्ता तो नहीं है? या हमारे देश में कोई नया रिवाज चालू हुआ है, जिसका मुझे कोई इल्म न हो।

किताबों की शरण में जाने पर पता चला कि न तो गधे हमारे हैं और न ही गुलाब जामुन। एक कहानी के मुताबिक गुलाब जामुन को मध्य युग में ईरान में बनाया गया था, जो कालांतर में तुर्कियों द्वारा भारत लाया गया। गधों के बारे में यह खबर मिली कि करीब सात हजार साल पहले इंसान ने पूर्वी अफ्रीका में गधों को गधा बनाने यानी कि पालतू बनाने का प्रयास किया था और वह अपने इस उद्देश्य में सफल भी रहा। गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में चवालीस मिलियन गधे हैं। अनुमान इसलिए कि जब जनगणना की चिंता कोई नहीं पालता तो गधों की गिनती करने की फुर्सत किसे है! और भला गधे भी कोई गिनने की चीज हैं? चवालीस मिलियन गधों में से 99% गधे निम्न और मध्यम आय वाले देशों में पाए जाते हैं। इस हिसाब से हमारे हिस्से में भी बड़ी संख्या में गधे आए हैं। मेरा ऐसा मानना है कि उच्च आय वाले देशों के गधे, घोड़ों की वेशभूषा धारण करने योग्य हो गए। इसी कारण वहां गधों में गिरावट दर्ज हुई है, लेकिन हमारे देश में अभी भी गधों को उनके मूल स्वरूप में उपयोगी माना जाता है। यह बात अलग है कि आजकल इंसान भी गधों का लबादा ओढ़ने लगे हैं।

इंसान से बेहद करीबी रिश्ता रखने वाला यह जानवर निरा गधा नहीं है। इनकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। ये करीब पचीस साल पहले तक देखे गए इलाकों को याद रख सकते हैं। और अधिक संख्या में होने के बावजूद, दूसरे इलाके के गधों को पहचान सकते हैं। उनकी इसी खूबी के कारण वे बगैर भटके अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं।

इन्हें अकेले रहना पसंद नहीं। समूह में रहते हुए ये आपस में मजबूत सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं। एक-दूसरे की देख-भाल करना और संकट के समय सहायता करना इनकी आदत है। इतनी सारी खूबियों के बावजूद ये गधे हैं और सामाजिक प्राणी होने का तमगा अकेले मनुष्य ने ही अपने गले में पहन रखा है।

इनकी तमाम विशेषताओं के लिए और मनुष्य के विकास में इनके महत्व को रेखांकित करने के लिए आर्क रजीक नाम के एक रहम दिल साइंटिस्ट की कोशिशों से वर्ष 2018 से 'विश्व गधा दिवस' मनाना आरंभ किया गया, लेकिन हमारे देश के गधे अभी इस सम्मान की बाट ही जोह रहे हैं।

इतनी सारी बातें जानने के बाद इस मूक प्राणी के लिए मन में सम्मान का भाव जागा, साथ ही यह जिज्ञासा भी जागी कि गधों को गुलाब जामुन में रुचि क्यों कर होने लगी? ऐसा तो नहीं कि लोगों को चारा हजम करते देख उनकी इंसानों से बदला लेने की भावना प्रबल हो गई हो? यह भी हो सकता है कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते प्रयोग से इंसानी अक्ल निठल्ली हो कर घास चरने लगी हो और आने वाले समय में घास का टोटा पड़ने वाला हो?

इन सारी संभावनाओं पर विचार करने के बाद मुझे पता चला कि इन बेचारों ने खुद गुलाब जामुन नहीं खाए बल्कि जुगाड़ू इंसान ने अपने स्वार्थ के खातिर इन्हें गुलाब जामुन खाना सिखला दिया। कभी अच्छी बारिश की कामना के खातिर टोटके के रूप में तो कभी इंसानी गधों की अक्ल ठिकाने लगाने। गधे भी बेचारे इस उम्मीद में गुलाब जामुन खाए जा रहे हैं कि ईश्वर इंसान पर भले ही रहम न करे पर उन पर रहम कर बारिश तो करवा ही देगा। और आज न सही कल ही सही, हरी नरम दूब खाने को तो मिल जाएगी। बहरहाल, बारिश को गधों के भरोसे छोड़ इंसान द्वारा पर्यावरण में पलीता लगाने का काम बदस्तूर जारी है। वहीं दूसरी ओर गधों का लबादा ओढ़े इंसानों का गुलाब जामुन खाना भी जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सघन अनुभूति की कविताएं

हाल में सुपरिचित कवि शंकरानंद का चौथा कविता संग्रह 'जमीन अपनी जगह' प्रकाशित होकर आया है। भले ही इन कविताओं का आकार छोटा है लेकिन इनमें व्यक्त सघन अनुभूतियों का आयतन काफी विस्तारित है। ये अनुभूतियां केवल उनके निजी जीवन तक नहीं सिमटी हैं, वे अपने समय, समाज, देश और विश्व पर मंडराते संकटों पर भी नजर रखते हैं। *युद्ध से कुछ नहीं बचता/ ये और बात है कि इसका एहसास/ युद्ध खत्म होने के बाद होता है/ तब तक बहुत देर हो चुकी होती है* (युद्ध के बीच)। वे अपने आस-पास लगातार छीजती जा रही संवेदना से भी विचलित होते हैं, तभी 'नींद में आग' जैसी कविता रच पाते हैं। 'शोक के बीच' कविता में वह एक टीस के साथ इस सच को स्वीकारते हैं, *शोक के बीच पल रहा जीवन/ इस देश का दूसरा सच है/जो देखने नहीं दिया जाता अब/* कहने की जरूरत नहीं कि इन कविताओं के जरिए कवि की चिंताएं अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई हैं। और उनकी चिंताएं हर संवेदनशील इंसान की चिंताएं हैं। *

पुस्तकः जमीन अपनी जगह (कविता संग्रह), **रचनाकारः** शंकरानंद, **मूल्यः** 295 रुपए, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

फेडोरा हैट, काऊबॉय हैट, उशांका हैट

गर्मी के मौसम में धूप से बचने के लिए लोग तरह-तरह के हैट्स या कैप्स पहनते हैं। इससे ट्रेंडी, फैशनेबल और कूल लुक मिलता है। अपने देश में ही नहीं दुनिया भर में तरह-तरह के हैट्स और कैप्स पहनने का ट्रेंड रहा है। हम आपको दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पॉपुलर कुछ ट्रेंडी-फैशनेबल हैट्स-कैप्स के बारे में बता रहे हैं।

स्टाइलिश-ट्रेंडी हैट्स-कैप्स

{ फैशन / शिखर चंद जैन }

गर्मी के मौसम में धूप से बचाने के लिए सिर पर हैट या कैप पहनना अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हैट या कैप सिर्फ सिर ढंकने के ही काम नहीं आता, यह आपकी पर्सनालिटी को डिफरेंट और इंप्रेसिव लुक भी देता है। तरह-तरह के हैट्स-कैप्स पर एक नजर।

बूनी हैट

बूनी हैट: यह सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। इसके चारों ओर लंबाई में छज्जेनुमा डिजाइन होती है, जो कान और गर्दन पर पड़ने वाली धूप से बचाती है। इस हैट का उपयोग कई देशों में मिलिट्री के जवान करते हैं।

बोटर हैट: इसकी संरचना सीधी बुनी हुई होती है। यह सीधा टॉप और सीधे छज्जे लिए होती है। आमतौर पर इसे नाविक पहनते हैं या फिर गर्मी में आउटडोर पार्टियों में भी पहना जाता है। इस पर तरह-तरह के रिबन बांधकर इसे और आकर्षक बनाया जा सकता है।

बर्कसिन

बर्कसिन: इसे सबसे लंबी हैट माना जाता है। यह कानों समेत पूरा सिर कवर किए रहता है। पहनने पर यह काफी ऊंचा दिखाई देता है। यह फर से बना होता है। इसमें ऊपरी हिस्से से भी फर लटके होते हैं। यह कैजुअल वियर के तौर पर नहीं पहना जाता है। इसे मैचिंग ड्रेस कोड के साथ ही पहना जाता है।

पनामा: इक्वेडोर में बना यह हैट घास और पौधों की पत्तियों से बना होता है। यह हैट बहुत ही सॉफ्ट और अट्रैक्टिव दिखता है।

बाउलर/डर्बी हैट: इस हैट का निर्माण 1850 में सेंट जेम्स ने किया था। जेम्स ने ही लीसेस्टर में थॉमस कुक के कर्मचारियों के लिए इस हैट का निर्माण किया था। बाद में यह डर्बी हैट के नाम से पॉपुलर हो गया।

गेटस्बी: इसे न्यूसबॉय हैट के नाम से भी जाना जाता है। इसमें सिर के ऊपर से आठ भाग निकलते हैं, जो जुड़कर एक टोपी का आकार लेते हैं। किनारे पर आकर यह गोलाकार हो जाते हैं। इसमें आगे की ओर छज्जा होता है।

हमबर्ग: यह चौड़े किनारों वाला हैट बहुत आकर्षक दिखता है। इसे जर्मनी में काफी पहना जाता है।

काऊबॉय हैट: अपने ग्लैमरस लुक के कारण यह काफी प्रचलन में है। इसके किनारे काफी लंबे होते हैं। लंबे किनारों के कारण यह रफ-टफ काम में आरामदायक साबित होती है। लंबे किनारे बरसात और धूप से हैट पहनने वाले को बचाए रखते हैं।

अकूबरा हैट

पनामा हैट

टूडूर बोनट हैट

सांता कैप

फेडोरा: यह हैट कोमल फैब्रिक से बना होता है। इसके आगे की तरफ छोटी छज्जेनुमा संरचना होती है, जबकि पीछे की तरफ यह संरचना बिल्कुल कम हो जाती है। इसके छज्जे के बाद ऊपर की ओर रिबन बंधा रहता है।

ट्रीकोन/ट्रायकॉर्न: परंपरागत रूप से यह हैट ट्रीकोन नामक सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। चौड़े किनारों वाले इस हैट के किनारे ऊपर की ओर मुड़े होते हैं। जो एक पिन के माध्यम से हैट से जुड़ते हैं। यह पीछे की ओर से पिन से बंधा होता है। इस तरह इसका आकार तीन तरफा होता है।

स्लाउच: यह हैट एक ओर कान की तरफ से ऊपर की ओर मुड़ा होता है। इसके आगे और पीछे के किनारे ज्यादा लंबे होते हैं। सामने और कान के ऊपर की ओर एक बक्कल लगा होता है। यह हैट ज्यादातर हॉर्स राइडर्स और आर्मी के जवान पहनते हैं।

सांब्रेरो: पानी में तैरते टापू की तरह दिखने वाला यह मैक्सिकन हैट ऊपर से एकदम उठा होता है। इसके चारों ओर किनारे लंबे होते हैं। ये किनारे हैट के किनारों तक आते-आते वापस ऊपर की ओर मुड़ते हैं।

टोप हैट

टोप हैट: यह एक खड़ा-लंबा हैट होता है, जिसकी छत सपाट होती है। यह चारों ओर गोलाई में होता है और दूसरे हैट्स की तुलना में ज्यादा ऊंचाई लिए होता है। चारों ओर किनारे वाला यह हैट 19वीं-20वीं शताब्दी में संभ्रांत लोगों यानी एलीट क्लास के लोगों द्वारा पहना जाता था।

टूडूर बोनट: यह मुलायम हैट उल्टी हांडी की तरह दिखाई देता है। यह अकादमी से जुड़ा हैट माना जाता है। इस हैट की खासियत इसमें बंधने वाला रस्सीनुमा फूंदना होता है। इस हैट को अपनी मर्जी के अनुसार टाइट या ढीला किया जा सकता है।

फेज: यह लाल रंग का बिना किनारे वाला हैट होता है। इसमें कोई किनारा नहीं होता। अफ्रीकी इस्लामिक देशों में रहने वाले लोग इसे ज्यादा पहनते हैं।

उशांका: इसे रूसी हैट माना जाता है। यह फर से बना होता है, जो गर्माहट देता है। इसमें किनारों पर मुड़े हुए छज्जे नहीं होते हैं। लेकिन हैट का निचला हिस्सा कानों को कवर करता है।

केपी: यह फ्रांस की मिलिट्री हैट है। सधी हुई गोलाई में बनी यह हैट पहनने वाले को गर्माहट देती है। इसके आगे बना छज्जा इस तरह का होता है कि आंखों को साइड में देखने में कोई परेशानी नहीं होती। यह छज्जा सिर्फ आंखों के ऊपर तक ही होता है।

अकूबरा: यह ऑस्ट्रेलिया में पहनी जाने वाली पॉपुलर कैप है, जो कुछ-कुछ फेडोरा और काऊबॉय हैट जैसी लगती है।

सांता कैप: पारंपरिक रूप से यह क्रिसमस त्योहार पर पहनी जाने वाली कैप है। गहरे लाल रंग की यह कैप पीछे से लंबाई में लटकती है। इसमें सफेद फर किनारों पर लगे होते हैं। *

बेसबॉल कैप

यह सॉफ्ट कैप होती है। दिखने में यह स्पोर्ट्स कैप जैसी दिखती है। इसका छज्जा लंबाई में निकला होता है। यह सिर से कानों तक कवर करती है।

यह सही है कि किसी भी फील्ड में सक्सेस के लिए नॉलेज होना जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही अपनी नॉलेज और वर्किंग स्टाइल को दूसरों के सामने इंप्रेसिव तरीके से प्रेजेंट करना भी बहुत जरूरी होता है। यह क्यों जरूरी है, जानिए।

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है प्रेजेंटेशन को बनाएं इंप्रेसिव

{ सक्सेस मंत्र / कीर्तिशेखर }

आज के दौर में ज्ञान के साथ-साथ खुद को पेश करने की कला भी सफल करियर का अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह सिर्फ कहने वाली बात नहीं है। समय-समय पर हुए सर्वेक्षणों के आंकड़े भी इस ओर इशारा करते हैं कि बेहतर नौकरी पाने के लिए तकनीकी कुशलता का महज 15 फीसदी योगदान होता है, जबकि बचा हुआ 85 फीसदी सामाजिक और व्यावसायिक सलीके से जुड़ा होता है। इसलिए हमें डिग्रियों या तकनीकी कुशलता के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष तौर पर फोकस करना चाहिए। इसके अलावा खुद को पेश करने की उस कला में भी पारंगत होना चाहिए, जिससे बड़ी संख्या में लोग अनभिज्ञ होते हैं।

कॉम्पिटिशन है बहुत: इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज बाजार में बेहतर से बेहतर विकल्प मौजूद हैं। नौकरी पाने वालों के लिए भी और नौकरी देने वालों के लिए भी। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि नौकरी देने वालों के सामने विकल्प (अनएंप्लॉयड लोग) बड़ी तादाद में उपलब्ध हैं, जबकि नौकरी पाने वालों के सामने विकल्प एक संघर्ष के तौर पर मौजूद है। संघर्ष इसलिए कि दूसरों से खुद को बेहतर वर्किंग प्रोफेशनल सिद्ध करना होता है। सवाल है, ऐसे में क्या किया जाए? इसका भी जवाब है कि खुद को पेश करने की कला में स्मार्ट हुआ जाए।

कैसे करें स्मार्टली प्रेजेंट: अब सवाल उठता है कि खुद को कैसे पेश किया जाए ताकि हम पहली ही मुलाकात में सामने वाले को आकर्षक और अपनी ओर ध्यान खींचने वाले साबित हो सकें। हालांकि आज की तारीख में अधिकतर यंगस्टर्स खूबसूरत, स्मार्ट और ऊर्जावान दिखने का प्रयास करते ही हैं। मनचाही नौकरी हासिल करने के प्रयास के दौरान प्रेजेंटेबल दिखने के लिए अपने गुड लुक, स्मार्ट और एनर्जेटिक होने के साथ-साथ हमें चाहिए कि हम अपने बिहेवियर में एटिकेट्स और लीडरशिप क्वालिटीज को भी शामिल करें। साथ ही अपनी नॉलेज और इंफॉर्मेशंस को भी लगातार अपडेट करते हुए इसमें शामिल करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जब तक हम अपने एरिया की नॉलेज और जानकारियां हासिल नहीं कर लेते, तब तक लीडरशिप नहीं निभा सकते। वैसे भी आत्मविश्वास तभी आ सकता है, जब हम ज्ञान से लबरेज हों। इसलिए सबसे पहले हमें अपनी फील्ड की भरपूर और लेटेस्ट जानकारियों के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। बेहतर भविष्य की चाह है तो खुरदुरे राह को खुद ही आसान बनाने का जिम्मा उठाना होगा।

न करें संकोच: खुद को पेश करने की कला यानी आर्ट ऑफ प्रेजेंटेशन में पारंगत होने के लिए सबसे पहले यह जानें कि आखिर खुद में कमी कहां-कहां है? सामान्यतः लोगों में देखने में आता है कि वे अकसर कोई इनिशिएटिव लेने से घबराते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि उनके दिमाग में यह सवाल बार-बार आता रहता है कि कहीं लोग उनकी बात या आइडिया का मजाक तो नहीं उड़ाएंगे? अगर आप इस ख्याल से ग्रस्त हैं तो ध्यान रखें कि आपकी मंजिल अभी बहुत दूर है। अगर आप सफलता को पाना चाहते हैं तो इस बात को गांठ बांध लें कि शुरुआती दिनों में आपके आइडियाज पर लोग हंसेंगे, उसका मजाक बनाएंगे, उसे पहली नजर में ही नकार देंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप असफल हैं। इसका मतलब यह है कि आपमें वो काबिलियत है, जिससे दूसरे लोग घबराते हैं और आपको उभरने नहीं देना चाहते। कहने का मतलब यह है कि अगर लोग आपके नए आइडियाज को गंभीरता से नहीं लेते हैं तो आप उस पर कुछ वर्क करके उसके कुछ रिजल्ट सामने पेश कर खुद को प्रूफ कर सकते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान: इंप्रेसिव प्रेजेंटेशन के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि सोसाइटी में, पर्सनल-प्रोफेशनल मीटिंग्स और कॉर्पोरेट गेदरिंग में कैसे व्यवहार करना चाहिए? इसके लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस, एटिकेट्स, लुक्स, टेबल मैनर्स, बॉडी लैंग्वेज में सुधार, बातचीत का सलीका, सही उच्चारण की ट्रेनिंग, एंगर मैनेजमेंट, कुलीग्स पीयर प्रेशर मैनेजमेंट, स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में जानकारी होनी जरूरी है। *

भारत को गांवों का देश कहा जाता है। इनमें से कुछ गांव ऐसे हैं, जो अपनी अनोखी विशेषता के कारण पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे गांवों के बारे में जानिए।

भारत के ये गांव हैं अनोखे

{ रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी }

माधोपट्टी आईएएस की फैक्ट्री: उत्तर प्रदेश के जौनपुर में माधोपट्टी नाम का एक गांव ऐसा है, जिसे 'आईएएस की फैक्ट्री' कहा जाता है। इस गांव ने देश को कई आईएएस अधिकारी दिए हैं। यहां से सबसे ज्यादा लोग सिविल सर्विसेज में सफल होते हैं। लगभग 75 परिवारों वाले इस गांव के करीब 47 लोग आईएएस, आईपीएस और आईआरएस जैसे पदों पर कार्यरत हैं। गांव के कई लोग देशभर में बड़े पदों पर तैनात रहे हैं। जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह गांव तब चर्चा में आया था, जब एक ही परिवार के 5 लोग आईएएस ऑफिसर बने थे। यहां पुरुष ही नहीं, कई महिलाओं का चयन भी सिविल सर्विसेज में हुआ है, वो भी बिना किसी कोचिंग के। यही वजह है कि माधोपट्टी गांव को आईएएस, आइपीएस की 'फैक्ट्री' कहा जाने लगा है।

चंदनकी जहां किसी घर में खाना नहीं बनता: गुजरात में एक छोटा-सा गांव है चंदनकी। इस गांव में ज्यादातर लोग बुजुर्ग हैं। गांव के अधिकतर युवा शहरों या विदेशों में सैटल हो गए हैं। पहले इस गांव की आबादी लगभग 1,100 थी, जो अब करीब 500 रह गई है और इनमें से ज्यादातर बुजुर्ग हैं। इस गांव में रह रहे बुजुर्गों में से कोई भी घर में खाना नहीं बनाता। दरअसल, गांव के सभी लोगों ने मिलकर कम्युनिटी किचेन शुरू किया है। इस किचेन में पूरे गांव के लिए खाना बनता है और हर व्यक्ति को महीने में महज 2000 रुपए की राशि देनी होती है। इसमें उन्हें महीने भर दोनों समय भरपूर भोजन मिलता है। इस रसोई में विभिन्न प्रकार का पारंपरिक गुजराती खाना परोसा जाता है, जिसे पोषण का ध्यान रखकर बनाया जाता है। रसोई के जिस हॉल में लोग बैठकर खाना खाते हैं, वह एयर कंडीशंड हॉल है। इसके लिए सोलर पावर के जरिए बिजली का इस्तेमाल किया जाता है। गांव वालों के लिए ये सिर्फ खाना खाने की जगह नहीं है, बल्कि यहां बैठकर वे सुख-दुख भी बांटते हैं। इस अनोखे आइडिया के पीछे गांव के सरपंच पूनमभाई पटेल हैं, जो न्यूयॉर्क में 20 साल बिताने के बाद अहमदाबाद में अपना घर छोड़कर चंदनकी गांव लौट आए। उन्होंने गांव के बुजुर्गों को खाना बनाने के लिए स्ट्रगल करते देखा, तभी उनके दिमाग में यह आइडिया आया और उन्होंने कम्युनिटी किचेन का कॉन्सेप्ट लोगों को समझाया।

मधापार एशिया का सबसे अमीर गांव: गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है दुनिया के सबसे अमीर गांवों में से एक और एशिया का सबसे अमीर गांव मधापार। करीब 7,600 घरों वाले इस गांव में 17 बैंक हैं। इन सभी बैंकों में ग्रामीणों के लगभग 7 हजार करोड़ रुपए जमा हैं। 17 बैंकों के अलावा इस गांव में स्कूल, कॉलेज, झील, हरियाली, बांध, स्वास्थ्य केंद्र, मंदिर तथा अत्याधुनिक गौशाला भी हैं। दरअसल, मधापार गांव के ज्यादातर लोग एनआरआई हैं, जो यूके, यूएसए, कनाडा समेत दुनिया के कई अन्य हिस्सों में रहते हैं। उन्होंने देश के बाहर पैसे कमाकर गांव की तरक्की में योगदान कर यहां पैसा जमा किया।

कोडिन्ही जुड़वां बच्चों का गांव: इमेजिन कीजिए कि आप कहीं जाएं और वहां एक जैसे दिखने वाले कई सारे लोग एक साथ आपकी नजर के सामने आ जाएं! ऐसा हो सकता है, केरल के कोडिन्ही गांव में। इस गांव में देश में सबसे ज्यादा जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं। देश में जहां जुड़वां बच्चों का राष्ट्रीय औसत 1000 जन्मों में 9 के आस-पास है, वहीं कोडिन्ही में यह संख्या 1000 जन्मों में 45 से अधिक है। यह गांव शोधकर्ताओं के लिए किसी रहस्य जैसा है।

शनि शिन्ननापुर यहां घरों में नहीं हैं दरवाजे: महाराष्ट्र के इस गांव में घर तो हैं, लेकिन किसी घर में दरवाजा नहीं लगाया जाता है। यहां आने वाले लोग/पर्यटक भी बिना दरवाजों वाले गेस्ट हाउस में ही रुकते हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान शनि इस गांव के रक्षक हैं। उनके होते हुए गांव में चोरी संभव नहीं है। *

मॉडलिंग से एक्टिंग की दुनिया में आईं निम्रत कौर इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह राजघराने की महिला इंद्राणी रायसिंह के रोल में दिख रही हैं। इस रोल को निभाने के लिए उन्हें कैसी तैयारी करनी पड़ी, उनकी फ्यूचर प्लानिंग्स क्या हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत निम्रत कौर से।

मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं: निम्रत कौर

{ खास मुलाकात / पूजा सामंत }

जियो हॉटस्टार पर पिछले दिनों नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इस शो की प्रोटोगनिस्ट (मुख्य पात्र) हैं निम्रत कौर। एक शाही घराने की इस रंजिशभरी कहानी में निम्रत ने इंद्राणी रायसिंह का किरदार निभाया है। इस शो के अलावा और भी कई विषयों पर हाल में उनसे लंबी बातचीत हुई। प्रस्तुत है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

हाल में वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इसे आपने क्यों एक्सेप्ट किया और इसमें अपने किरदार के बारे में कुछ बताइए।

मुझे इस शो की कहानी और इसमें मेरा किरदार दोनों अच्छे लगे। मैंने आज तक इतना उलझा हुआ, इतना कॉम्प्लेक्स किरदार नहीं निभाया था। शो में मेरे किरदार का नाम है इंद्राणी रायसिंह, जो परिवार की दो बहनों में बड़ी बहन है। परिवार में बड़ी बहन होने के कारण इंद्राणी अपनी जिम्मेदारी निभाना बखूबी जानती है। अपनी बहन को लेकर इंद्राणी बहुत प्रोटेक्टिव भी है। इंद्राणी के शाही परिवार में एक साथ कई कहानियां चलती हैं। कई शॉकिंग घटनाएं घटती हैं। किरदारों की परतें खुलती जाती हैं।

'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' में को-एक्टर्स के साथ निम्रत कौर

पर्सनल लाइफ में भी आप बड़ी बहन हैं, क्या कुछ समानता है आपमें और इंद्राणी रायसिंह में?

पर्सनल लाइफ में मैं अपनी छोटी बहन रुबीना की दीदी हूं। हमारा रिश्ता बेहद प्यारा और एक-दूसरे को स्पेस देने वाला है। जब भी उसे जरूरत होती है, मैं उसे गाइड करती हूं। मेरी बहन बहुत इंटेलिजेंट है। वह एक साइकोलॉजिस्ट है। मुझे उस पर नाज है।

क्या आपको इंद्राणी की भूमिका निभाने के लिए कुछ होमवर्क करना पड़ा?

यह महलों में रहने वाले शाही परिवार की कहानी है। शो की कहानी और किरदारों में कई ट्विस्ट एंड टर्न्स आते हैं। इंद्राणी रायसिंह राजघराने की ऐसी महिला है, जिसकी लाइफ में कई अप्स एंड डाउंस आते हैं। चूंकि मैं वास्तव में एक मध्यम वर्गीय परिवार से आती हूं, इसलिए इंद्राणी के किरदार, उसके मेंटल स्टेटस को समझना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल रहा। इसके किरदार को निभाने के लिए मुझे खुद को फिजिकली से ज्यादा मेंटली प्रिपेयर करना पड़ा।

'लंच बॉक्स', 'एयरलिफ्ट' जैसी फिल्मों की सफलता के बाद लगा कि आपकी फिल्में लगातार आती रहेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अच्छे ऑफर नहीं मिले या आप फिल्मों को लेकर काफी सेलेक्टिव हैं?

मेरे लिए ही नहीं, कई सारे लोगों के लिए कोरोना लॉकडाउन के दौर ने जीवन के दो वर्ष में सब कुछ रोक दिया था। उससे थोड़ा पहले मैंने विदेश में काफी काम किया। जैसे ही कोरोना पीरियड खत्म हुआ, साल 2022 से धीरे-धीरे काम पटरी पर आने लगा। मैंने अपने काम का रुख इंडिया में ही केंद्रित किया। जो काम बैकलॉग में किया था, वो अब धीरे-धीरे रिलीज हो रहा है। अमेरिकन टीवी सीरीज 'होमलैंड' मैंने वहां जाकर शूट किया। 2023 में मैंने साइंस फिक्शन सीरीज में काम किया। अब चूंकि इनमें से ज्यादातर काम मेन स्ट्रीम से थोड़ा अलग था, इस वजह से ये मान लिया गया कि मैं फिल्मों से दूर थी, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है।

आज के दौर की अधिकतर एक्ट्रेसेस, बिजनेस माइंडेड हैं, वे खुद को सक्सेसफुल एंटरप्रेन्योर के रूप में स्थापित कर रही हैं। आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा, कृति सेनन की तरह आप क्या फिल्म प्रोडक्शन के फील्ड में जाना चाहती हैं?

अगर कोई फिल्म निर्माण की पूरी जिम्मेदारी, खासकर बिजनेस पार्ट संभाल ले तो मैं को-प्रोड्यूसर बनने के लिए रेडी हूं। मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं। मैं फौजी जवान, किसान (मां की तरफ से) की बेटी हूं, बिजनेस करने में कच्ची हूं। मुझे फाइनेंस आंकड़ों की गुत्थी समझ नहीं आती। इसलिए मैं अब तक बिजनेस से दूर ही रही हूं।

आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग बहुत कॉमन है, इस ट्रोलिंग को आप किस नजरिए से देखती हैं? आप खुद ट्रोलिंग को कैसे हैंडल करती हैं?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मेरी इन्वॉल्वमेंट कम से कम होती है। ये सच है कि आज के युग में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का होना एक नेसेसिटी भी बन गई है। यहां सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल कौन, कैसे करता है। जहां तक ट्रोलिंग या ट्रोलर्स की बात है, तो मुझे लगता है उनमें काफी नेगेटिविटी भरी होती है। कई बार ट्रोल्स के शिकार लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है, वे डिप्रेशन में जा सकते हैं। मैं तो ट्रोलर्स के नेगेटिव कमेंट्स पढ़ती ही नहीं।

अगर आपको बायोपिक करना हो तो किसकी बायोपिक करना चाहेंगी?

मैं लेखिका अमृता प्रीतम की बायोपिक करना चाहती हूं। अमृता प्रीतम की आत्मकथा 'रसीदी टिकट' मैंने कई बार पढ़ी है। मैं उनसे काफी प्रभावित भी रही हूं। वक्त से काफी आगे थी अमृता जी। बहुत संवेदनशील लेखिका, हर रिश्ते को उन्होंने बड़ी शिद्दत और सहजता से स्वीकार करते हुए निभाया। निस्वार्थ प्रेम था उनका।

आपके आने वाले प्रोजेक्ट्स कौन-कौन से हैं?

इसी वर्ष मेरी कम से कम तीन फिल्में रिलीज होंगी। साथ ही ओटीटी पर कुछ वेब शो भी दर्शक देख पाएंगे। *